■ पौष कृष्णा - 10 ■ संवत 2081 ■ वर्ष - 20 ■ अंक - 180 ■ पृष्ठ - 8 ■ रु. 5/- बेंगलूरु » शुक्रवार » 24-01-2025 ■ www.dakshinbharat.com ■ Email : news@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ದಕ್ಷಿಣ ಭಾರತ ರಾಷ್ಟ್ರಮತ | ಹಿಂದಿ ದಿನ ಪತ್ರಿಕೆ | बेंगलूरु और चेन्नई से एक साथ प्रकाशित

5 अंबेडकर की प्रतिमा के सामने 101 उठक-बैठक लगाकर माफी मांगें राहुल गांधी : विजयवर्गीय

6 भागवत के उस वक्तव्य पर विवाद जो उन्होंने दिया ही नहीं

7 धर्म की स्वतंत्रता का दिवस मनाया जाएगा 27 को : देवकीनंदन ठाकुर

फर्स्ट टेक

ईडी ने मुंबई और जयपुर में टोरेस ज्वैलरी के 10 ठिकानों पर की छापेमारी

मुंबई/एजेन्सी। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के अधिकारियों ने धोखाधड़ी के एक मामले में गुरुवार को मुंबई और जयपुर में टोरेस ज्वैलरी के 10 अलग-अलग ठिकानों पर छापेमारी की। ईडी के सूत्रों के मुताबिक मध्य मुंबई के दादर में स्थित टोरेस ज्वैलरी कंपनी ने कथित तौर पर कम समय में निवेशकों का पैसा दोगुना करने का वादा करके कई निवेशकों से ठगी की है। उन्होंने बताया कि पहले महाराष्ट्र पुलिस धनशोधन संदिग्ध मामले के तौर पर इसकी जांच कर रही थी। अब ईडी ने जांच अपने हाथ में ले ली है तथा कंपनी के मुंबई और जयपुर में 10 ठिकानों पर छापेमारी कर बड़ी कार्रवाई की है।

महाकुंभ मेला क्षेत्र से करीब 300 अवैध एलपीजी सिलेंडर जब्त

महाकुंभ नगर (उप्र)/भाषा। महाकुंभ नगर में हाल ही में लगी भीषण आग की घटना के बाद अग्निशमन विभाग ने एक अभियान चलाकर बृहस्पतिवार को करीब 300 अवैध सिलेंडर जब्त किए। मुख्य अग्निशमन अधिकारी (कुंभ) प्रमोद शर्मा ने बताया कि मेला क्षेत्र में अवैध सिलेंडरों के उपयोग के खिलाफ प्रभावी कार्रवाई करते हुए बृहस्पतिवार को करीब 300 अवैध एलपीजी सिलेंडर जब्त किए गए। उन्होंने कहा कि श्रद्धालुओं से विनम्र अनुरोध किया गया है कि वे अधिकृत सिलेंडर का ही उपयोग करें जो मेला क्षेत्र में हर जगह उपलब्ध कराया जा रहा है क्योंकि आगजनी की ज्यादातर घटनाएं अनधिकृत सिलेंडरों की वजह से होती हैं।

फिल्मकार रामगोपाल वर्मा को तीन महीने की सजा, गिरफ्तारी वारंट जारी

मुंबई/भाषा। मुंबई की एक अदालत ने चेक बाउंस मामले में फिल्मकार रामगोपाल वर्मा को तीन महीने की सजा सुनाई है और उनके खिलाफ एक गैर जमानती गिरफ्तारी वारंट जारी किया है। अंधेरी में न्यायिक मजिस्ट्रेट (प्रथम श्रेणी) वाई पी पुजारी ने मंगलवार को वर्मा को परक्राम्य लिखत अधिनियम के प्रावधानों के तहत दंडनीय अपराध के लिए दोषी ठहराया। अदालत ने फिल्म निर्माता को आदेश की तारीख से तीन महीने के भीतर शिकायतकर्ता को 3,72,219 रुपए का मुआवजा देने का निर्देश भी दिया है। विस्तृत आदेश अभी उपलब्ध नहीं है। चूंकि आदेश पारित होने के समय वर्मा अदालत के समक्ष उपस्थित नहीं थे, इसलिए दंड प्रक्रिया संहिता (सीआरपीसी) के अनुसार सजा के निष्पादन के लिए उनकी गिरफ्तारी के वास्ते उनके खिलाफ एक स्थायी गैर-जमानती वारंट जारी किया गया।

24-01-2025 सूर्यास्त 6:17 बजे | 25-01-2025 सूर्योदय 6:46 बजे

BSE	NSE
76,520.38	23,205.35
(+115.39)	(+50.00)

सोना	चांदी
8,245 रु.	91,599 रु.
(24 कैरेट) प्रति ग्राम	प्रति किलो

‘अहिंसा की अवधारणा की रक्षा के लिए कभी-कभी हिंसा ‘आवश्यक’ होती है’

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अहमदाबाद/भाषा। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के वरिष्ठ नेता भैयाजी जोशी ने भारत को शांति के पथ पर सभी को साथ लेकर चलने पर जोर देते हुए बृहस्पतिवार को कहा कि अहिंसा की अवधारणा की रक्षा के लिए कभी-कभी हिंसा ‘‘आवश्यक’’ होती है। उन्होंने यहां गुजरात विश्वविद्यालय के मैदान में ‘हिंदू आध्यात्मिक सेवा मेला’ के उद्घाटन समारोह को संबोधित करते हुए यह बात कही। उन्होंने कहा, ‘‘हिंदू सदा ही अपने धर्म की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध हैं। अपने धर्म की रक्षा के लिए, हमें वे काम भी करने होंगे जिन्हें दूसरे लोग अधर्म करार देंगे और ऐसे काम हमारे पूर्वजों ने किए थे।’’

जोशी ने पौराणिक ग्रंथ महाभारत का हवाला देते हुए कहा कि पांडवों ने अधर्म को खत्म करने के लिए युद्ध के नियमों की अनदेखी की। उन्होंने कहा, ‘‘इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता कि हिंदू धर्म में अहिंसा का तत्व निहित है। हालांकि, कभी-कभी हमें अहिंसा की अवधारणा की रक्षा के लिए हिंसा का सहारा लेना पड़ता है। अन्यथा, अहिंसा की अवधारणा कभी सुरक्षित नहीं रहेगी। हमारे महान पूर्वजों ने हमें यह संदेश दिया है।’’

पिछले दस वर्षों में लगभग सभी वैचारिक कार्यों को पूरा किया गया : अमित शाह

अहमदाबाद/भाषा। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बृहस्पतिवार को कहा कि नरेन्द्र मोदी सरकार ने अनुच्छेद 370 को हटाने समेत ‘‘लगभग सभी’’ लंबित वैचारिक कार्यों को पूरा कर लिया है और वह अपने तीसरे कार्यकाल में भी उसी रास्ते पर आगे बढ़ेगी।

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता यहां गुजरात विश्वविद्यालय परिसर में ‘हिंदू आध्यात्मिक एवं सेवा मेला’ का उद्घाटन करने के बाद लोगों को संबोधित कर रहे थे।

शाह ने दावा किया कि एक समय था जब हिंदू अपने ही देश में अपनी पहचान बताने से कतराते थे।

उन्होंने कहा, ‘‘दस साल में स्थितियां बदल गई हैं। अब हमारी विचारधारा के अनुसार लगभग सभी लंबित कार्य पूरे हो चुके हैं, चाहे वह जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 को हटाना हो, अयोध्या में राम मंदिर का निर्माण हो, तीन तलाक की समाप्ति हो या समान नागरिक संहिता (यूसीसी) को लागू करना हो।’’

राष्ट्रीय स्तर पर हालांकि समान नागरिक संहिता लागू नहीं की गई है, लेकिन भाजपा शासित राज्य उत्तराखंड ने इसे लागू कर दिया है और शाह ने पिछले महीने राज्यसभा में कहा था कि इसे सभी राज्यों में लागू किया जाएगा।

शाह ने यहां अपने भाषण में कहा कि मोदी सरकार ने इन अधूरे कार्यों को दस साल में पूरा कर दिया जबकि पिछली सरकारों ने 70 साल तक इन्हें छुआ तक नहीं था। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार अपने तीसरे कार्यकाल में भी इसी दिशा में आगे बढ़ेगी।

एप्पल, ओला, उबर को नोटिस भेजकर सीसीपीए ने मांगा शिकायतों का जवाब

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

■ उपयोगकर्ताओं के मोबाइल फोन में मौजूद ऑपरेटिंग सिस्टम के आधार पर एक ही गंतव्य के लिए मंच पर अलग-अलग किराया दिखाती हैं ओला और उबर

नई दिल्ली/भाषा। उपभोक्ता संरक्षण प्राधिकरण (सीसीपीए) ने सॉफ्टवेयर और मूल्य निर्धारण से जुड़ी शिकायतें आने के बाद दिग्गज प्रौद्योगिकी कंपनी एप्पल इंक और कैब सेवा प्रदाताओं- ओला एवं उबर को नोटिस जारी किया है। हाल ही में सॉफ्टवेयर अपडेट के बाद आईफोन उपयोगकर्ताओं ने तकनीकी समस्याएं आने की शिकायत की थी। इस बारे में एप्पल से प्रतिक्रिया मांगी गई है।

उपभोक्ता मामलों के मंत्री प्रल्हाद जोशी ने बृहस्पतिवार को सोशल मीडिया पर कहा, उपभोक्ता शिकायतों की जांच के बाद विभाग ने सीसीपीए के माध्यम से एप्पल को नोटिस जारी कर मामले पर जवाब मांगा है।

इसके साथ ऑनलाइन कैब सेवाएं देने वाली कंपनियों- ओला और उबर को भी नोटिस जारी किया गया है। इन कंपनियों के खिलाफ ऐसी शिकायतें आई हैं कि उपयोगकर्ताओं के मोबाइल फोन में मौजूद ऑपरेटिंग सिस्टम के आधार पर एक ही गंतव्य के लिए मंच पर अलग-अलग किराया दिखाती हैं।

जोशी ने सोशल मीडिया पोस्ट में कहा, इस्तेमाल होने वाले मोबाइल फोन (आईफोन/एंड्रॉयड) के विभिन्न मॉडलों के आधार पर अलग-अलग मूल्य-निर्धारण का अवलोकन करने के बाद उपभोक्ता मामलों के विभाग ने सीसीपीए के जरिये प्रमुख कैब सेवा प्रदाताओं ओला और उबर को नोटिस जारी कर उनसे जवाब मांगा है।

कंफर्ट जोन से बचें, श्रेष्ठता, दक्षता पर फोकस करें युवा : मोदी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

■ आज देश में विश्व में हर तरफ भारत की प्रगति के लिए अनुकूल माहौल है। दुनिया भारत की ओर देख रही है कि कैसे हम इस 21वीं सदी को भारत की शताब्दी बनाते हैं और ऐसे महत्वपूर्ण कालखंड में हमें नेताजी सुभाष की प्रेरणा से भारत की एकजुटता पर बल देना है।

नई दिल्ली/एजेन्सी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने नेताजी सुभाष चंद्र बोस की जयंती पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए देश के युवाओं का आह्वान किया कि वे विकसित भारत के निर्माण के लिए आरामतलबी से दूर रह कर श्रेष्ठता, परिश्रम एवं दक्षता पर फोकस करके वैश्विक स्तर पर सर्वश्रेष्ठ हासिल करें। मोदी ने नेताजी की जयंती पर ओडिशा के कटक में आयोजित पराक्रम दिवस कार्यक्रम को वीडियो लिंक से संबोधित करते हुए कहा कि आज जब हमारा देश विकसित भारत के संकल्प की सिद्धि में जुटा है, तब नेताजी सुभाष के जीवन से हमें निरंतर प्रेरणा मिलती है। नेताजी के जीवन का सबसे बड़ा लक्ष्य था- आजाद हिंद। उन्होंने अपने संकल्प की सिद्धि के लिए अपने फैसले को एक ही कसौटी पर परखा- आजाद हिंद।

प्रधानमंत्री ने कहा, नेताजी एक समृद्ध परिवार में जन्मे, उन्होंने सिविल सर्विसेस की परीक्षा पास की। वो चाहते तो अंग्रेजी शासन में एक वरिष्ठ अधिकारी बनकर आराम की जिंदगी जीते, लेकिन उन्होंने आजादी के लिए कष्टों को चुना, चुनौतियों को चुना, देश विदेश में भटकना पसंद किया, नेता जी सुभाष कंफर्ट जोन के बंधन में नहीं बंधे। इसी तरह आज हम सभी को विकसित भारत के निर्माण के लिए अपने कंफर्ट जोन से बाहर निकलना है। हमें खुद को ग्लोबली बेस्ट बनाना है, एक्सीलेंस को चुनना ही है, एफिशिएंसी पर फोकस करना है। उन्होंने कहा कि नेताजी ने देश की स्वतंत्रता के लिए आजाद हिंद फौज बनाई, इसमें देश के हर क्षेत्र हर वर्ग के वीर और वीरांगनाएं शामिल थीं। सबकी भाषाएं अलग-अलग थीं, लेकिन भावना एक थी देश की आजादी। यही एकजुटता आज विकसित भारत के लिए भी बहुत बड़ी सीख है। तब स्वराज के लिए हमें एक होना था, आज विकसित भारत के लिए हमें एक रहना है।

मोदी कहा, आज देश में विश्व में हर तरफ भारत की प्रगति के लिए अनुकूल माहौल है। दुनिया भारत की ओर देख रही है कि कैसे हम इस 21वीं सदी को भारत की शताब्दी बनाते हैं और ऐसे महत्वपूर्ण कालखंड में हमें नेताजी सुभाष की प्रेरणा से भारत की एकजुटता पर बल देना है। हमें उन लोगों से भी सतर्क रहना है, जो देश को कमजोर करना चाहते हैं, जो देश की एकता को तोड़ना चाहते हैं। उन्होंने कहा, नेताजी सुभाष भारत की विरासत पर बहुत गर्व करते थे। वे अक्सर भारत के समृद्ध लोकतांत्रिक इतिहास की चर्चा करते थे और उससे प्रेरणा लेने के लिए समर्थक थे। आज भारत गुलामी की मानसिकता से बाहर निकल रहा है। अपनी विरासत पर गर्व करते हुए विकास कर रहा है। मेरा सौभाग्य है कि आजाद हिंद सरकार के 75 वर्ष पूरे होने पर लाल किले पर मुझे तिरंगा फहराने का मौका मिला था। उस ऐतिहासिक अवसर को मैं कभी भूल नहीं सकता।

नेपाल ने माउंट एवरेस्ट पर चढ़ने का शुल्क बढ़ाया

काठमांडू/भाषा। नेपाल ने माउंट एवरेस्ट पर चढ़ने के लिए परमिट शुल्क में 36 प्रतिशत की भारी वृद्धि की है और दुनिया की सबसे ऊंची चोटी पर कचरा फैलने से रोकने के लिए कई कदम भी उठाए हैं। संशोधित पर्वतारोहण नियमों के तहत वसंत ऋतु (मार्च-मई) में सामान्य दक्षिण मार्ग से एवरेस्ट पर चढ़ने वाले विदेशियों के लिए परमिट शुल्क मौजूदा 11,000 अमेरिकी डॉलर प्रति व्यक्ति से बढ़ाकर 15,000 अमेरिकी डॉलर कर दिया गया है। शरद ऋतु (सितंबर-नवंबर) के लिए चढ़ाई का शुल्क 5,500 अमेरिकी डॉलर से बढ़ाकर 7,500 अमेरिकी डॉलर कर दिया गया है। वहीं, सर्दियों (दिसंबर-फरवरी) और मानसून (जून-अगस्त) के लिए प्रति व्यक्ति परमिट शुल्क 2,750 अमेरिकी डॉलर से बढ़कर 3,750 अमेरिकी डॉलर हो गया है। पर्यटन बोर्ड की निदेशक आरती न्यूपाने ने कहा कि इस संबंध में कैबिनेट का निर्णय पहले ही हो चुका है, हालांकि आधिकारिक घोषणा अभी बाकी है।

‘वैध दस्तावेज के बिना रह रहे भारतीयों की वैध वापसी के लिए हमेशा तैयार भारत’

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

वाशिंगटन/भाषा। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने बुधवार को कहा कि भारत वैध दस्तावेज के बिना रह रहे भारतीयों की वैध वापसी के लिए हमेशा से तैयार रहा है। उन्होंने कहा कि भारत अब भी अमेरिका से उन लोगों के सत्यापन की प्रक्रिया में है जिन्हें भारत भेजा जा सकता है और ऐसे व्यक्तियों की संख्या अभी निर्धारित नहीं की जा सकती है।

जयशंकर ने यहां भारतीय पत्रकारों के एक समूह से कहा, ‘‘एक सरकार के रूप में हम स्पष्ट रूप से (लोगों की) वैध आवाजाही के बड़े समर्थक हैं क्योंकि हम वैश्विक कार्यबल में विश्वास करते हैं। हम चाहते हैं कि भारतीय प्रतिभा और भारतीय कौशल को वैश्विक स्तर पर अधिकतम अवसर मिले। साथ ही, हम अवैध आवाजाही और अवैध प्रवास का भी दृढ़ता से विरोध करते हैं।’’

वैश्विक कार्यबल से तात्पर्य श्रमिकों के अंतरराष्ट्रीय श्रम पूल से है, जिसमें बहुराष्ट्रीय कंपनियों द्वारा नियोजित अथवा विदेशों में जाकर काम करने वाले विदेशी श्रमिक, अस्थायी प्रवासी श्रमिक, दूरस्थ श्रमिक, निर्यात से जुड़े रोजगार में लगे लोग, आकस्मिक कार्यबल तथा अन्य शामिल हैं।

जयशंकर ने कहा, ‘‘आप यह भी जानते हैं कि जब कुछ अवैध होता है, तो कई अन्य अवैध गतिविधियां भी उसके साथ जुड़ जाती हैं, जो ठीक नहीं है। यह निश्चित रूप से प्रतिष्ठा के लिए भी अच्छा नहीं है। यह हर देश के साथ है और अमेरिका कोई अपवाद नहीं है, हमने हमेशा यही कहा है कि अगर हमारा कोई नागरिक अवैध रूप से वहां है और अगर हमें लगता है कि वे हमारे नागरिक हैं, तो हम हमेशा उनकी वैध भारत वापसी के लिए तैयार हैं।’’ मंत्री उन खबरों के बारे में पूछे गए प्रश्न का जवाब दे रहे थे जिनमें कहा गया था कि भारत डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन के साथ मिलकर अमेरिका में लगभग 1,80,000 भारतीयों की वापसी पर काम कर रहा है, जिनके पास या तो कोई दस्तावेज नहीं है या वे अपने वीजा की अवधि समाप्त होने के बाद भी वहां रह रहे हैं।

अमेरिका का स्वर्ण युग शुरू हो गया, अब पूरी दुनिया शांतिपूर्ण और समृद्ध होगी : ट्रंप

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

दावोस/भाषा। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बृहस्पतिवार को कहा कि उनके दूसरे कार्यकाल के साथ अमेरिका का स्वर्णिम युग शुरू हो गया है और जल्द ही पूरी दुनिया अधिक शांतिपूर्ण और समृद्ध होगी। उन्होंने कहा कि वह सऊदी अरब और ओपेक (तेल निर्यातक देशों के संगठन) से तेल की कीमतें कम करने के लिए कहेंगे। ‘अगर कीमतें कम होती हैं तो रूस-यूक्रेन युद्ध तुरंत समाप्त हो जाएगा।’ वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए यहां विश्व आर्थिक मंच (डब्ल्यूईएफ) की वार्षिक बैठक को संबोधित करते हुए ट्रंप ने कहा कि उनके प्रशासन ने चार दिनों में वह हासिल कर लिया जो अन्य सरकारें चार साल में भी हासिल नहीं कर सकीं।

राष्ट्रपति के तौर पर कार्यकाल के लिए उन्होंने 20 जनवरी को शपथ ग्रहण की। इसी दिन पांच दिवसीय डब्ल्यूईएफ की वार्षिक बैठक शुरू हुई थी। ट्रंप ने कहा, अमेरिका का स्वर्णिम युग शुरू हो गया है, हमारा देश जल्द ही पहले से अधिक मजबूत, एकजुट और समृद्ध होगा। उन्होंने कहा कि इससे पूरी दुनिया अधिक शांतिपूर्ण और समृद्ध होगी। उन्होंने उन उपायों के बारे में बात की जिनकी उन्होंने पहले ही घोषणा कर दी है तथा अपने दूसरे कार्यकाल में आगे जो कदम उठाएंगे।

अगर रूस ने यूक्रेन में ‘बेतुका युद्ध’ समाप्त नहीं किया तो उस पर शुल्क और प्रतिबंध लगाए जाएंगे

वाशिंगटन/भाषा। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अपने रूसी समकक्ष व्लादिमीर पुतिन को यूक्रेन में ‘बेतुके युद्ध’ को समाप्त करने को कहा है। ट्रंप ने चेतावनी देते हुए कहा है कि रूस यूक्रेन के खिलाफ युद्ध को खत्म करे या फिर अत्यधिक शुल्क और आगामी प्रतिबंधों का सामना करने के लिए तैयार रहे।

अमेरिका के 47वें राष्ट्रपति के रूप में 20 जनवरी को शपथ लेने वाले ट्रंप ने बुधवार को अपने सोशल मीडिया मंच ‘ट्रुथ सोशल’ पर यह बात कही। ट्रंप ने सोशल मीडिया पोस्ट में रूस के राष्ट्रपति पुतिन का नाम लिया और कहा कि उनके एवं पुतिन के बीच हमेशा अच्छे संबंध रहे हैं, लेकिन अब इस ‘‘बेतुके युद्ध’’ को खत्म करने का समय आ गया है।’’

ट्रंप ने कहा कि वह रूस के खिलाफ कुछ कड़े कदम उठाने पर विचार कर रहे हैं और चाहते हैं कि युद्ध में और लोगों की जान नहीं जाए। ट्रंप ने कहा, ‘‘आइए इस युद्ध को खत्म करते हैं, जो मेरे राष्ट्रपति रहते कभी शुरू ही नहीं होता। हम इसे आसान तरीके से या कठिन तरीके से कर सकते हैं और आसान तरीका हमेशा बेहतर होता है। अब ‘‘समझौता करने’’ का समय आ गया है। अब और लोगों की जान नहीं जानी चाहिए।’’ उन्होंने कहा, ‘‘मैं रूसी लोगों से प्यार करता हूं तथा राष्ट्रपति पुतिन के साथ मेरे हमेशा बहुत अच्छे संबंध रहे हैं। हमें यह कभी नहीं भूलना चाहिए कि रूस ने हमें द्वितीय विश्व युद्ध जीतने में मदद की, इस प्रक्रिया में लगभग 60,000,000 लोगों की जान चली गई।’’ उन्होंने यह भी चेतावनी दी कि अगर जल्द संघर्ष विराम समझौता नहीं हुआ, तो उनके पास रूस द्वारा अमेरिका और अन्य भागीदार देशों को बेची जाने वाली किसी भी वस्तु पर शुल्क, कर और प्रतिबंध लगाने के अलावा कोई अन्य विकल्प नहीं होगा।

समावेशी वृद्धि भारत के आर्थिक खाके का प्रमुख स्तंभ : वैष्णव

दावोस/भाषा। केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बृहस्पतिवार को कहा कि भारत आने वाले वर्षों में मुद्रास्फीति को नियंत्रण में रखते हुए आराम से छह-आठ प्रतिशत की आर्थिक वृद्धि दर बनाए रखेगा।

विश्व आर्थिक मंच (डब्ल्यूईएफ) की वार्षिक बैठक के दौरान एक सत्र में मंत्री ने कहा कि समावेशी वृद्धि देश के आर्थिक खाके का एक प्रमुख स्तंभ बना हुआ है। साथ ही विनिर्माण, सेवाओं और कानूनों के सरलीकरण पर निरंतर ध्यान दिया जा रहा है। रेल, इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालयों की भी जिम्मेदारी संभाल रहे वैष्णव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के तीसरे कार्यकाल में वापस आने का मुख्य कारण समावेशी वृद्धि रही है, क्योंकि उन्होंने यह सुनिश्चित किया कि आर्थिक वृद्धि का लाभ समाज के हर वर्ग तक पहुंचे। उन्होंने कहा कि भारत में उपलब्ध प्रतिभा सभी क्षेत्रों में बेजोड़ है और आज दुनिया भारत की नीतियों के कारण उस पर भरोसा करती है।

मिशन मंडेला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

पूजनीय बेटियां

जहां पूज्य होती है बेटी,
वहीं दंश क्यों सहती है।
कापुरुषों के भय से हरदम,
सहमी-सहमी रहती है।
दुर्गा लक्ष्मी सरस्वती की,
परिपाटी जहां महती है।
मान करें हर बेटी का हम,
मर्यादा यह कहती है।।

जम्मू-कश्मीर और लद्दाख में खेल का विकास करना हमारी सरकार की प्राथमिकता : प्रधानमंत्री मोदी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लेह/भाषा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बृहस्पतिवार को कहा कि उनकी सरकार की प्राथमिकता देश भर में विशेषकर जम्मू-कश्मीर और केंद्र शासित प्रदेश लद्दाख में खेलों का विकास करना है।

यहां खेलो इंडिया शीतकालीन खेल 2025 के उद्घाटन समारोह के दौरान एक संदेश में मोदी ने पूरे भारत में खेल गतिविधियों को फैलाने के लिए सरकार की प्रतिबद्धता दोहराई और कहा कि कैसे लद्दाख और जम्मू-कश्मीर ने सिर्फ 'हमारे देश में खेल की संस्कृति को ही आगे नहीं बढ़ाया है बल्कि पर्यटन को भी बढ़ावा दिया है जो देश की सुंदरता और विविधता को प्रदर्शित करता है।'

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, ''हमारी सरकार लद्दाख और जम्मू-कश्मीर में खेल विकास को पहली प्राथमिकता देती है। जम्मू-कश्मीर में 100 खेलो इंडिया केंद्रों और लद्दाख में तीन केंद्रों से हमारे प्रयास इस क्षेत्र को खेल उत्कृष्टता के केंद्र के रूप में आकार दे रहे हैं।'' उन्होंने कहा, ''खेलो इंडिया शीतकालीन खेल 2025 हमारी खेल उत्कृष्टता को अगले स्तर तक ले जाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।''

बर्फीली सुबह में खेलो इंडिया शीतकालीन खेल 2025 का बृहस्पतिवार को यहां प्रतिष्ठित एनडीएस स्टेडियम में शानदार आगाज हुआ। खेलो इंडिया शीतकालीन खेल 2025 का पहला हिस्सा 27 जनवरी तक केंद्र शासित प्रदेश लद्दाख द्वारा आयोजित किया जा रहा है। केंद्र शासित प्रदेश जम्मू और कश्मीर 22-25 फरवरी तक इन खेलों के दूसरे चरण की मेजबानी करेगा। दिल्ली से आने वाली फ्लाइट खराब मौसम के कारण लेह के कुशोक बकुला रिम्पोछे हवाई अड्डे पर नहीं उतर सकी जिसमें खेल मंत्री मनसुख मांडविया आ रहे थे जिन्हें इन खेलों के उद्घाटन समारोह में शामिल होना था।

उद्घाटन समारोह में लद्दाख के उपराज्यपाल ब्रिगेडियर डॉ बीडी मिश्रा सहित कई गणमान्य व्यक्ति मौजूद थे। मांडविया ने उद्घाटन समारोह में शामिल नहीं हो पाने पर निराशा व्यक्त की लेकिन सभी हितधारकों को प्रोत्साहित किया।

खेलो इंडिया शीतकालीन खेल 2025 की शुरुआत बृहस्पतिवार को एनडीएस परिसर और लद्दाख स्काउट्स रेजिमेंटल सेंटर में आइस हॉकी मैचों के साथ हुई। राज्यों, केंद्र शासित प्रदेशों और सेना और आईटीबीपी जैसे संस्थागत संगठनों से बनी उन्नीस टीमें इसमें प्रतिस्पर्धा कर रही हैं। यह दूसरी बार है जब लद्दाख शीतकालीन खेलों की मेजबानी कर रहा है। यह टूर्नामेंट का पांचवां चरण है।

देश को महंगाई से राहत देने वाला बजट चाहिए: कांग्रेस

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस ने बेरोजगारी तथा महंगाई के मुद्दे को लेकर बृहस्पतिवार को केंद्र सरकार पर निशाना साधा और कहा कि देश को अब महंगाई से राहत देने वाला बजट चाहिए। पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने यह आरोप भी लगाया कि सरकार की गलत नीतियों के कारण बेरोजगारी और महंगाई लगातार बढ़ रही है।

रमेश ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, ''मोडानी सरकार ने पिछले दस सालों में केवल अपने मित्रों का ध्यान रखा है। सरकार की गलत नीतियों के कारण लगातार बढ़ रही बेरोजगारी और महंगाई ने निम्न और मध्यमवर्गीय परिवारों के लिए जीवन बेहद मुश्किल बना दिया है।'' उन्होंने दावा किया, ''दूध, आटा, दाल, पेट्रोल, डीजल और सब्जियों की कीमतें आसमान छू रही हैं। ईएमआई और रोजगार की जरूरतों का बोझ हर घर पर बढ़ता जा रहा है। देश को अब महंगाई से राहत देने वाला बजट चाहिए।''

रमेश ने सवाल किया, ''क्या सरकार जनता की तकलीफें सुनकर कोई ठोस कदम उठाएगी?'' वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण वित्त वर्ष 2025-26 के लिए केंद्रीय बजट आगामी एक फरवरी को पेश करेंगी।

सावंत ने गोवा में तेज विकास के लिए प्रधानमंत्री मोदी से मार्गदर्शन मांगा: मुख्यमंत्री कार्यालय

पणजी/भाषा। गोवा के मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत ने बृहस्पतिवार को दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से मुलाकात कर तटीय राज्य की प्रगति में तेजी लाने के लिए मार्गदर्शन प्रदान करने का अनुरोध किया। मुख्यमंत्री कार्यालय ने यह जानकारी दी। कार्यालय के मुताबिक, सावंत ने मोदी को गोवा सरकार द्वारा की गई विभिन्न पहल के बारे में जानकारी दी और उनके अटूट समर्थन के लिए हार्दिक आभार व्यक्त किया। सावंत ने दिल्ली दौरे के दौरान केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा और केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण से भी मुलाकात की। सावंत ने शाह से मार्गदर्शन मांगा और उनको सरकार द्वारा किए जा रहे कार्यों की जानकारी उनके साथ साझा किया।

भारतीय रुपया दक्षिण-पूर्व एशिया की सबसे कमजोर प्रदर्शन वाली मुद्राः मूडीज

नई दिल्ली/भाषा। मूडीज रेटिंग्स ने बृहस्पतिवार को कहा कि पिछले दो वर्षों में भारतीय मुद्रा लगभग पांच प्रतिशत और पिछले पांच वर्षों में 20 प्रतिशत गिरकर दक्षिण और दक्षिण-पूर्व एशिया की सबसे कमजोर प्रदर्शन करने वाली मुद्राओं में से एक बन गई है। अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपए की कीमत में लगातार गिरावट देखने को मिली है। हाल ही में रुपया 86.70 रुपए प्रति डॉलर के निचले स्तर तक आ गया था। इसे लेकर आर्थिक जगत में खासी चिंता देखी जा रही है। मूडीज ने गिरते रुपए के प्रभावों को समझने के लिए भारत की 23 कंपनियों का आकलन किया है। इसके आधार पर मूडीज ने पाया कि इनमें से केवल छह कंपनियों पर ही डॉलर की मजबूती का असर पड़ रहा है।

हालांकि मूडीज ने अपनी रिपोर्ट में कहा कि इन कंपनियों के पास भी असर को कम करने वाले कारक मौजूद हैं। मूडीज के आकलन में शामिल इन कंपनियों में भारत पेट्रोलियम कॉरपोरेशन, हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉरपोरेशन, इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन, अल्ट्राटेक सीमेंट, भारती एयरटेल और एनआई टेक्नोलॉजीज प्राइवेट लिमिटेड शामिल हैं। मूडीज ने 'दक्षिण और दक्षिण पूर्व एशिया उभरते बाजारों की कंपनियों पर जारी अपनी रिपोर्ट में कहा, पिछले दो वर्षों में रुपए में केवल पांच प्रतिशत की ही गिरावट आई है, लेकिन जनवरी, 2020 से अब तक यह 20% से अधिक गिर चुका है। इस तरह यह दक्षिण और दक्षिण-पूर्व एशिया में सबसे कमजोर प्रदर्शन करने वाली मुद्राओं में से एक बन गई है। रेटिंग एजेंसी का यह आकलन कई क्षेत्रों में व्याप्त इस धारणा के उलट है कि डॉलर की मजबूती के बीच भारतीय मुद्रा का प्रदर्शन अन्य मुद्राओं की तुलना में कहीं बेहतर रहा है।

हमारी आलोचना बंद करे शिवसेना (उबाठा), वरना 20 में से केवल दो विधायक बचेंगे : शिंदे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

ठाणे/भाषा। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री और सत्तारूढ़ शिवसेना के प्रमुख एकनाथ शिंदे ने बृहस्पतिवार को शिवसेना (उबाठा) को चेतावनी दी कि अगर उसने उनकी पार्टी और महायुति की आलोचना बंद नहीं की तो उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली पार्टी के पास मौजूद 20 में से केवल दो विधायक ही बचेंगे। उन्होंने कहा कि राज्य की जनता ने पिछले साल हुए विधानसभा चुनाव में शिवसेना (उबाठा) को करारा जवाब दिया और अब समय आ गया है कि वह आत्ममंथन करे। शिवसेना के संस्थापक बाल ठाकरे की जयंती पर उन्हें और अपने गुरु आनंद दिघे को श्रद्धांजलि देने के लिए यहां 'आनंद आश्रम' के दौरे से इतर पत्रकारों से बातचीत में शिंदे ने यह भी कहा कि अन्य राज्यों में भी शिवसेना की मांग बढ़ रही है। उन्होंने कहा, ''पहले दिन से ही विपक्षी महा विकास आघाडी (एमवीए), खासकर शिवसेना (उबाठा) मेरी और महायुति की आलोचना कर रही है, लेकिन कुछ भी काम नहीं आया और राज्य के नागरिकों ने उन्हें करारा जवाब दिया तथा उन्हें उनकी जगह दिखा दी। अगर ऐसा ही रहा तो वे 20 में से 0 (शून्य) खो देंगे।''

दिल्ली में 10 साल के शासन में आप ने भ्रष्टाचार के सारे रिकॉर्ड तोड़ दिए : नड्डा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के अध्यक्ष जे. पी. नड्डा ने बृहस्पतिवार को आम आदमी पार्टी (आप) पर तीखा हमला बोला और आरोप लगाया कि आप ने दिल्ली में अपने 10 साल के शासन के दौरान भ्रष्टाचार के सारे रिकार्ड तोड़ दिए।

दिल्ली विधानसभा चुनाव से पहले पश्चिमी दिल्ली के उत्तम नगर में एक जनसभा को संबोधित करते हुए केंद्रीय मंत्री ने आबकारी नीति मामले को उन घोटालों की सूची में गिनाया जो कथित तौर पर आप के लगातार दो कार्यकालों के दौरान हुए। उन्होंने आरोप लगाया कि पार्टी ने अपने कार्यकाल के दौरान दिल्ली में हर किसी की जेब काटी। नड्डा ने कहा कि आप सरकार ने दिल्ली में अपने 10 साल के शासन के दौरान भ्रष्टाचार के सारे रिकॉर्ड तोड़ दिए। उन्होंने कहा, ''वक्फ बोर्ड घोटाला... उन्होंने मुसलमानों को भी नहीं बख्शा। उन्होंने (वक्फ बोर्ड में) 100 करोड़ रुपए का घोटाला किया।''

नड्डा ने आप के राष्ट्रीय संयोजक और पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को 'झूठा' करार दिया। उन्होंने कहा,''वह इतनी मासूमियत के साथ झूठ बोलते हैं कि अगर राष्ट्रीय स्तर पर झूठ बोलने की प्रतियोगिता आयोजित की जाए तो वह पहले स्थान पर आएंगे। लेकिन दिल्ली के लोग विधानसभा चुनाव में आप को करारा जवाब देंगे।'' नड्डा ने कहा कि यह चुनाव दिल्ली के भविष्य के लिए है और मतदाताओं को इसे ध्यान में रखना चाहिए। दिल्ली की 70 सदस्यीय विधानसभा के लिए पांच फरवरी को मतदान होगा और मतगणना आठ फरवरी को होगी।

लाडो लक्ष्मी योजना लागू करने की पूरी रूपरेखा तैयार: मुख्यमंत्री सैनी

चंडीगढ़/भाषा। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि भाजपा सरकार घोषणापत्र में किए गए वादों को पूरा करने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि सरकार ने 'लाडो लक्ष्मी योजना' को लागू करने की पूरी रूपरेखा तैयार कर ली है। हरियाणा में अक्टूबर 2024 में हुए विस चुनावों से पहले भाजपा ने वादा किया था कि अगर पार्टी सत्ता में लौटी तो 'लाडो लक्ष्मी योजना के तहत सभी महिलाओं को 2,100 रुपए मासिक वित्तीय सहायता दी जाएगी। भाजपा लगातार तीसरी बार राज्य की सत्ता में लौटी है। मुख्यमंत्री सैनी से जब इस योजना को लागू करने की योजना के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा, मौजूदा सरकार को सत्ता में आए तीन महीने हो चुके हैं। हमने इसकी (योजना की) पूरी रूपरेखा बना ली है।

भारत का स्वर्ण युग शुरू हो गया है: नायडू

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अमरावती/भाषा। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू ने कहा है कि भारत का स्वर्ण युग शुरू हो गया है और देश सबसे तेज विकास दर हासिल करेगा। नायडू ने स्विट्जरलैंड के दावोस में विश्व आर्थिक मंच में यह टिप्पणी की। मुख्यमंत्री नायडू ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व की सराहना करते हुए कहा कि भारतीय लोकतंत्र स्थिरता प्रदान करता है और हर कोई विकसित भारत-2047 के लक्ष्य पर भरोसा कर रहा है।

नायडू ने बुधवार रात संवाददाताओं, केंद्रीय मंत्रियों और अन्य राज्यों के अपने समकक्षों के साथ बातचीत में कहा, ''भारत बहुत तेजी से आगे बढ़ रहा है...दुनिया देख रही है और वे अब भारत की ओर देख भी रहे हैं। इतने सारे क्षेत्र, अवसर भी प्रचुर हैं... भारत के लिए स्वर्ण युग शुरू हो गया है।'' ''ब्लूमबर्ग एनालिटिक्स'' का हवाला देते हुए मुख्यमंत्री नायडू ने कहा कि भारत 2028 से दुनिया में सबसे तेजी से बढ़ने वाली अर्थव्यवस्था होगा और उसके बाद देश ''नहीं रुकेगा।'' उन्होंने कहा कि 10 साल पहले की तुलना में 'ब्रांड इंडिया' बहुत मजबूत है, जो साल दर साल मजबूत होता जा रहा है। नायडू ने अपने पिछले अनुभवों को याद करते हुए कहा, ''मैंने भारत में सब कुछ देखा है। हमेशा चर्चा होती थी कि भारत अच्छा प्रदर्शन कर सकता है। यहां तक कि कुछ राष्ट्र प्रमुखों के साथ भी मेरे अनुभव कड़वे रहे हैं, में अब उन सभी लोगों के नाम नहीं लेना चाहता। मैं भी यही भाषा बोलता था कि भारत अच्छा प्रदर्शन करेगा और भारत ऐसा देश होगा जिस पर सबकी नजर रहेगी, लेकिन वे (राष्ट्र प्रमुख) मुझसे कहते थे कि आप अधिक आशावादी हैं, भारत में ऐसा नहीं होगा।'' हालांकि, नायडू ने इस बात पर प्रकाश डाला कि आज पूरी दुनिया कह रही है कि भारत बहुत तेजी से आगे बढ़ रहा है और ''कुछ लोग ईर्ष्या कर सकते हैं'' लेकिन क्षमता बहुत विशाल है। नायडू ने कहा कि भारत में कई छिपी हुई ताकतें हैं जो नई नहीं हैं। देश क्रय शक्ति समता के आधार पर तीसरा और विश्व में पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है।

मोदी के प्रति विश्वास, निर्णायक जनादेश से महाराष्ट्र को मिले व्यापक निवेश प्रस्ताव : फडणवीस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

दावोस/भाषा। विश्व आर्थिक मंच (डब्ल्यूईएफ) की सालाना बैठक में 15 लाख करोड़ रुपए के निवेश और 15 लाख रोजगार की रिकॉर्ड प्रतिबद्धता हासिल करने वाले महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि वैश्विक निवेशकों को आकर्षित करने वाला सबसे प्रमुख कारण प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के प्रति वैश्विक समुदाय का भरोसा और उनकी सरकार को मिला निर्णायक जनादेश है। फडणवीस ने अपने राज्य को 'मैग्नेटिक महाराष्ट्र' और देश की एक औद्योगिक महाशक्ति के रूप में पेश करते हुए कहा कि निवेश प्रतिबद्धताएं विनिर्माण से लेकर शिक्षा, प्रौद्योगिकी से लेकर नए युग के व्यवसायों से जुड़ी हैं और राज्य के सभी भौगोलिक क्षेत्रों को कवर करती हैं।

महाराष्ट्र में व्यापक निवेश प्रस्ताव मिलने के कारणों के बारे में पूछे जाने पर फडणवीस ने कहा, मेरा मानना है कि महाराष्ट्र में हमें मिले निर्णायक जनादेश ने निवेशकों का विश्वास बढ़ाया है। इसके अलावा निवेशकों ने हमारी पिछली सरकार के प्रदर्शन को देखते हुए भी हम पर भरोसा जताया है। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में हमें भारी जनादेश मिलने के बाद उनका आत्मविश्वास और भी बढ़ गया है। उन्होंने कहा, वैश्विक निवेशक इस बात से आश्वस्त हैं कि महाराष्ट्र एक व्यापार-अनुकूल राज्य है और वे यह भी जानते हैं कि हम नीतिगत स्तर पर केंद्र सरकार के साथ जुड़े हुए हैं और प्रधानमंत्री मोदी हमारे साथ मजबूती से खड़े हैं। यह निश्चित रूप से हमारे प्रति निवेशकों के विश्वास में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। फडणवीस ने पीटीआई-भाषा के साथ बातचीत में कहा, हमने महाराष्ट्र को लेकर निवेशकों के बीच नया आत्मविश्वास देखा है। हमने पहले दो दिनों में ही 15,70,000 करोड़ रुपए निवेश के समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किए हैं और इनसे राज्य में करीब 15 लाख नए रोजगार सृजित होंगे। उन्होंने कहा, यह एक नया रिकॉर्ड है, एक नया मानदंड है जो महाराष्ट्र ने स्थापित किया है। यह निवेश अगले कुछ वर्षों में महाराष्ट्र को ताकत बढ़ाने वाले राज्य के तौर पर एक लाख करोड़ डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने का लक्ष्य हासिल करने में मदद करेगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि वह अपने राज्य के 'मैग्नेटिक महाराष्ट्र' निवेशक शिखर सम्मेलन को डब्ल्यूईएफ की दावोस बैठक के स्तर पर ले जाना चाहेंगे। फडणवीस ने कहा, हमें निवेशकों को एक मंच देने की जरूरत है। इस तरह के निवेशक शिखर सम्मेलन उन्हें बहुत अधिक आकर्षित करते हैं क्योंकि वे एक-दूसरे से मिलते हैं और साझेदारी एवं सहयोग की संभावनाएं तलाशते हैं। फडणवीस ने कहा कि टाटा समूह के चेयरमैन एन चंद्रशेखरन के नेतृत्व में गठित आर्थिक सलाहकार परिषद ने राज्य सरकार को अपनी रिपोर्ट दे दी है और इसने विभिन्न क्षेत्रों में निवेश का विस्तृत खाका दिया है। मुख्यमंत्री ने कहा, अगर भारत पांच लाख करोड़ डॉलर की अर्थव्यवस्था बनता है तो महाराष्ट्र को भी अपना एक लाख करोड़ डॉलर का लक्ष्य हासिल करना होगा। मेरा मानना है कि निवेश इसमें महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है क्योंकि यह एक ताकत बढ़ाने का काम करता है। उन्होंने नक्सल-प्रभावित क्षेत्रों में निवेश पर कहा कि नक्सली गतिविधियों से बुरी तरह प्रभावित रहा गढ़चिरौली अब निवेश के लिए एक आकर्षक स्थान बन गया है।

केजरीवाल ने योगी पर साधा निशानाः पूछा, 'उत्तर प्रदेश में कितने घंटे कटती है बिजली?'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। आम आदमी पार्टी (आप) सुप्रीमो अरविंद केजरीवाल ने बृहस्पतिवार को पड़ोसी राज्य उत्तर प्रदेश में बिजली कटौती का जिक्र करते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पर कटाक्ष किया और दावा किया कि उन्होंने पांच वर्ष के भीतर दिल्ली में चौबीसों घंटे बिजली की आपूर्ति सुनिश्चित की।

अरविंद केजरीवाल ने यह टिप्पणी पश्चिमी दिल्ली के हरि नगर में एक जनसभा को संबोधित करते हुए की।

'आप' सुप्रीमो पांच फरवरी को होने वाले विधानसभा चुनाव के लिए अपनी पार्टी के उम्मीदवार के पक्ष में प्रचार कर रहे थे।

अरविंद केजरीवाल ने कहा, मैंने बहुत से लोगों से पूछा और वे मुझे बता रहे हैं कि दिल्ली में 24 घंटे बिजली उपलब्ध है। हमारी (आप) सरकार दिल्ली में 10 वर्ष से है।

हमने सुनिश्चित किया कि दिल्ली में 24 घंटे बिजली रहे। उन्होंने कहा, उत्तर प्रदेश में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) 10 वर्ष से 'डबल इंजन' सरकार चला रही है। मैं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी से विनम्रतापूर्वक पूछना चाहता हूं कि उत्तर प्रदेश में कितने घंटे बिजली कटौती होती है?

रूसी तेल आयात पर अमेरिकी पाबंदियों का भारतीय तेल आपूर्ति पर दिखने लगा असर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। रूस के तेल क्षेत्र पर लगाए गए व्यापक अमेरिकी प्रतिबंधों ने भारत में कच्चे तेल के प्रवाह को प्रभावित करना शुरू कर दिया है। सार्वजनिक क्षेत्र की भारत पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लिमिटेड (बीपीसीएल) ने कहा है कि मार्च की आपूर्ति के लिए पर्याप्त कार्गो उपलब्ध नहीं हैं।

अमेरिका ने 10 जनवरी को रूसी ऊर्जा क्षेत्र को निशाना बनाते हुए व्यापक प्रतिबंध लगाने की घोषणा की थी। इनमें रूसी तेल उत्पादकों गैजप्रोम नेफ्ट और सर्गुटनेफ्टगास पर प्रतिबंध, रूसी ऊर्जा निर्यात में शामिल 183 जहाजों को काली सूची में डालना और दर्जनों तेल व्यापारियों, तेल क्षेत्र सेवा प्रदाताओं, टैंकर मालिकों एवं प्रबंधकों, बीमा कंपनियों और ऊर्जा अधिकारियों पर प्रतिबंध शामिल हैं। इन प्रतिबंधों की घोषणा ऐसे समय में की गई जब भारत की तेल रिफाइनिंग कंपनियां मार्च के कार्गो के लिए बातचीत शुरू कर रही थीं।

बीपीसीएल के निदेशक (वित्त) वी रामकृष्ण गुप्ता ने बृहस्पतिवार को विश्लेषकों से बातचीत में कहा कि पिछले दो महीनों में जनवरी और फरवरी के लिए रूसी तेल की बुकिंग की गई थी लेकिन मार्च की आपूर्ति के लिए पर्याप्त कार्गो नहीं मिल पा रहा है। उन्होंने कहा कि कच्चे तेल की आपूर्ति में रूसी तेल की हिस्सेदारी अक्टूबर-दिसंबर तिमाही के 31 प्रतिशत से घटकर मार्च तिमाही में 20 प्रतिशत तक गिरने का अनुमान है।

चालू वित्त वर्ष की शुरुआत में अप्रैल 2024 में बीपीसीएल के द्वारा प्रसंस्कृत किए गए कुल तेल में रूसी तेल की हिस्सेदारी 34-35 प्रतिशत थी।

रूस से तेल आपूर्ति बाधित होने की आशंका के बीच गुप्ता ने कहा कि बाजार में पर्याप्त तेल उपलब्ध है और कंपनी इस नुकसान की भरपाई के लिए पश्चिम एशियाई देशों का रुख कर सकती है।

सोना 82,900 रुपए के नये रिकॉर्ड स्तर पर, चांदी 500 रुपए टूटी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। सकारात्मक वैश्विक रुख के बीच राष्ट्रीय राजधानी में सर्राफा बाजार में बृहस्पतिवार को सोने की कीमत 170 रुपए बढ़कर 82,900 रुपए प्रति 10 ग्राम के नए रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गई। अखिल भारतीय सर्राफा संघ ने यह जानकारी दी।

बुधवार को सोना 82,730 रुपए प्रति 10 ग्राम पर रहा था। सोने का भाव करीब एक साल में 20,180 रुपए यानी 32.17 प्रतिशत बढ़कर 82,900 रुपए प्रति 10 ग्राम हो गया। 23 फरवरी, 2024 को यह

62,720 रुपए प्रति 10 ग्राम था। लगातार सातवें सत्र में बढ़त को जारी रखते हुए 99.5 प्रतिशत शुद्धता वाला सोना 170 रुपए बढ़कर 82,500 रुपए प्रति 10 ग्राम के अबतक के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया। पिछले कारोबारी सत्र में यह 82,330 रुपए प्रति 10 ग्राम पर रहा था। पिछले सात कारोबारी सत्रों में 99.9 और 99.5 प्रतिशत शुद्धता वाले सोने की कीमतों में 2,320-2,320 रुपए की तेजी आई है। हालांकि, चांदी की कीमत 500 रुपए घटकर 93,500 रुपए प्रति किलोग्राम रही। बुधवार को यह 94,000 रुपए प्रति किलोग्राम पर था। सर्राफा व्यापारियों ने कहा कि बहुमूल्य धातुओं की कीमतों में तेजी का कारण आभूषण और खुदरा विक्रेताओं की बढ़ती मांग के साथ-साथ अंतरराष्ट्रीय बाजारों में मजबूत रुख है। विदेशी बाजारों में कॉमेक्स सोना वायदा 13.20 डॉलर प्रति औंस घटकर 2,757.70 डॉलर प्रति औंस रहा। एचडीएफसी सिक्योरिटीज के वरिष्ठ विश्लेषक (कमोडिटीज) सौमिल गांधी ने कहा, ''अमेरिकी डॉलर और बॉन्ड प्रतिफल में सुधार के कारण बृहस्पतिवार को सोने की कीमतें स्थिर से नकारात्मक स्तर पर रहीं।''

एआई भले ही बहुत कुछ कर रहा हो, फिर भी 'दिमाग, दिल और हाथ' की जरूरतः जयंत चौधरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

दावोस/भाषा। केंद्रीय मंत्री जयंत चौधरी ने बृहस्पतिवार को कहा कि कृत्रिम मेधा (एआई) भले ही काफी काम कर रहा है, लेकिन दुनिया को अभी भी मानव मस्तिष्क, दिल और हाथ' की जरूरत है।

यहां विश्व आर्थिक मंच (डब्ल्यूईएफ) की वार्षिक बैठक के दौरान 'बुद्धिमान युग के लिए पुनः कौशलीकरण' विषय पर आयोजित सत्र में कौशल विकास एवं उद्यमिता मंत्री ने कहा कि गतिशीलता वह मुद्दा है जिसकी आज सभी व्यवसाय मांग कर रहे हैं। हल्के-फुल्के अंदाज में मंत्री ने कहा कि वह एआई को आकारहीन कहेंगे, क्योंकि भारतीय संदर्भ में कृत्रिम का मतलब 'नकली' या गैरवास्तविक होता है। चौधरी ने कहा कि भारत पहले से ही भविष्य की जरूरतों के लिए अपनी युवा प्रतिभाओं को प्रशिक्षित करने पर काम कर रहा है। उन्होंने कहा कि मेरा काम अवरोधों को तोड़ना है और हमारा लक्ष्य स्कूल स्तर से ही भावी पीढ़ी को ऐसे कौशल प्रदान करना है जिनकी भविष्य में दुनिया में कहीं भी जरूरत पड़ सकती है। चौधरी ने कहा कि मैं ऐसी स्थिति नहीं चाहता जब भारत से कोई प्रशिक्षित कर्मचारी यूरोप आए और उसे बताया जाए कि उसे कुछ भी नहीं पता। उन्होंने कहा कि व्यक्तिगत रूप से उनके लिए हर दिन नए हुनर सीखने का दिन है। चौधरी ने कहा, मैं विपक्ष में था और अब मैं सरकार में हूं। मेरा राजनीतिक क्षेत्र किसान था और अब मेरा काम कौशल विकास और स्कूली शिक्षा है।

व्यापार मेला

94-मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने गुरुवार को बेंगलूरु के पैलेस ग्राउंड में अंतर्राष्ट्रीय जैविक और बाजरा व्यापार मेला 2025 का उद्घाटन किया। इस अवसर पर केंद्रीय मंत्री शोभा करंदलाजे, झारखंड राज्य की कृषि मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की, उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार, मंत्री चेलुवरया स्वामी, बिरथी सुरेश, कृष्णा बायर गौड़ा उपस्थित थे।

ईडी ने धनशोधन मामले में तमिलनाडु की मंत्री की नई संपत्तियां कुर्क कीं

नयी दिल्ली। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने बृहस्पतिवार को कहा कि उसने धन शोधन मामले की जांच के सिलसिले में तमिलनाडु की मंत्री अनिता आर. राधाकृष्णन की 1.26 करोड़ रुपये की नयी संपत्ति कुर्क की हैं। संघीय एजेंसी ने एक बयान में कहा कि तुत्तुकुडी, मदुरै और चेन्नई में स्थित इन अचल संपत्तियों को कुर्क करने के लिए धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत एक अनंतिम आदेश जारी किया गया है। मंत्री से प्रतिक्रिया के लिए संपर्क नहीं हो पाया। इससे पहले, एजेंसी ने 2022 में मंत्री की लगभग एक करोड़ रुपये की संपत्ति कुर्क की थी। राधाकृष्णन (73) तुत्तुकुडी की तिरुचेंदूर विधानसभा सीट से द्रविड़ मुन्नेत्र कषगम (द्रमुक) की विधायक और मत्स्य पालन एवं पशुपालन मंत्री हैं। धन शोधन का यह मामला तमिलनाडु सतर्कता एवं भ्रष्टाचार निरोधक निदेशालय द्वारा राधाकृष्णन के खिलाफ उनके परिवार के सदस्यों के नाम पर आय के ज्ञात स्रोतों से अधिक संपत्ति अर्जित करने के आरोप में दर्ज प्राथमिकी से जुड़ा है।

दक्षिण पश्चिम रेलवे

ई-निविदा सूचना सं: 02/MYS/2025

दिनांक: 17.01.2025

भारत के राष्ट्रपति की ओर से अधोहस्ताक्षरी निम्नलिखित कार्य के लिए ई-निविदाएं आमंत्रित करते हैं:

कार्य का नाम	अनुमानित लागत
हासन - मंगलूरु विभाग: वरिष्ठ सेक्शनल इंजीनियर / ब्रिज / सकलेशपुर क्षेत्राधिकार पर (सकलेशपुर - सुब्रमण्या रोड घाट विभाग सहित) हासन - मंगलूरु जं. विभाग पर 2020-21 व 2022-23 का अवधि केलिए देय स्टील गिर्डर ब्रिजों का पेंटिंग कार्य। (ब्रिज सं. 293, 296 298, 300, 367, 400, 474, 539 व आईओएच शेड और 15, 23, 133, 142,165, 177, 180, 183, 184, 185, 186, 187, 188,189, 190, 192, 193, 194, 200, 232, 233, 238, 239, 241, 243, 246, 247, 248, 249, 250, 251, 252, 264, 281, 283, 287, 289, 292, 297, 303, 318, 322, 326, 327, 328, 334, 335, 337, 353, 358, 366 & 578) (संतुलन कार्य)	रु. 1,42,08,435/-

निविदाओं जमा करने की अंतिम तिथि: 10.02.2025, 11:00 बजे तक

विवरण के लिए लॉग ऑन करें www.ireps.gov.in में

वरिष्ठ विभागीय इंजीनियर/समन्वय मैसूरु

PUB/722/AAF/PRB/SWR/2024-25

South Western Railway - SWR | SWRRLY | SWRRLY

कर्नाटक के मांड्या में एकीकृत कृषि विश्वविद्यालय की स्थापना की जाएगी : सिद्दरामय्या

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने बृहस्पतिवार को कहा कि मांड्या जिले में एक एकीकृत कृषि विश्वविद्यालय की स्थापना की जाएगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि विश्वविद्यालय कृषि, बागवानी और पशुपालन में पाठ्यक्रम संचालित करेगा तथा मांड्या, हासन, मैसूर और चामराजनगर क्षेत्रों के किसानों को जैविक और अनाज की खेती के लिए मार्गदर्शन और प्रोत्साहन प्रदान करेगा। उन्होंने यहां अंतरराष्ट्रीय व्यापार मेला जैविक एवं अनाज 2025 के उद्घाटन समारोह को संबोधित कर रहे थे, जो 25 जनवरी तक चलेगा।

सिद्दरामय्या ने केंद्र सरकार से एमएसपी (न्यूनतम समर्थन मूल्य) लागू करने का भी आग्रह किया, जो किसानों की लंबे समय से मांग रही है। मुख्यमंत्री ने कहा, भारत एक कृषि प्रधान देश है और हम खाद्यान्न उत्पादन में आत्मनिर्भर हैं। जब देश को आजादी मिली थी, तब खाद्यान्न की कमी थी। लेकिन अब यह गर्व की बात है कि भारत काफी मात्रा में खाद्यान्न निर्यात कर रहा है। उन्होंने याद किया कि वह भी एक किसान परिवार से है जो अनाज की खेती भी करता था। मुख्यमंत्री ने कहा कि अनाज उत्पादन के मामले में कर्नाटक देश में तीसरे स्थान पर है।

उन्होंने कहा, केन्द्र और राज्य सरकारों ने भारत में अनाज उत्पादन पर बहुत जोर दिया है। विश्व में अनुमानित 903.61 लाख टन अनाज का उत्पादन होता है, जिसमें से 38.50 प्रतिशत हमारा देश उत्पादित करता है, जिससे यह विश्व का सबसे बड़ा अनाज उत्पादक देश बन गया है।

दक्षिण पश्चिम रेलवे

ई-निविदा सूचना सं: CAO/CN/BNC/49/2025

दिनांक: 16.01.2025

भारत के राष्ट्रपति की ओर से अधोहस्ताक्षरी निम्नलिखित कार्य के लिए ई-निविदाएं आमंत्रित करते हैं:

क्र.	कार्य का नाम	अनुमानित लागत
1	तुमकूरु - अरसीकेरे विभाग पर तिपटूर और होन्नवल्ली रोड स्टेशनों के बीच रेलवे किमी. 142/700-800 पर लेवेल क्रॉसिंग नं. 86 के बदले हासन की ओर पर 8x18 पीएससी गिर्डर से 1x30 मी. काम्पोसिट गिर्डर तरह और राजमार्ग के ओर पर 8x18 पीएससी गिर्डर से सबवे के साथ साथ रोड़ ओवर ब्रिज का निर्माण कार्य। (संयुक्त कार्य)। (निविदा उल्लेख सं.: ASK-TK-ROB-LC-86)	रु. 39,41,87,732/-
2	क्यातसंद्रा और तुमकूरु स्टेशनों के बीच किमी. 65/300-400 पर लेवेल क्रॉसिंग नं. 38 के बदले राजमार्ग-73 के ओर पर और बड्डिहल्ली की पार्श्व पर 1x42 मी. बोव स्ट्रिंग गिर्डर (रेलवे पोर्शन) + 08x18.71 मी. पीएससी गिर्डर से और राजमार्ग-43 के ओर पर 5x18.71 मी. पीएससी गिर्डर से 2 लेन आरओबी का निर्माण इस आरओबी का मर्जिंग लेंग्त के दोनो ओर पर रीटेनिंग वॉल का निर्माण और इलेक्ट्रिकल कार्य। (संयुक्त कार्य)। (निविदा उल्लेख सं.: ROB-LC38-KIAT-TK)	रु. 25,45,18,275/-

निविदाओं जमा करने की अंतिम तिथि: 11.02.2025, 15:00 बजे तक

विवरण के लिए लॉग ऑन करें www.ireps.gov.in में

उप मुख्य इंजीनियर/निर्माण/कार्य बेंगलूरु छावनी

PUB/720/AAF/PRB/SWR/2024-25

South Western Railway - SWR | SWRRLY | SWRRLY

सिद्दरामय्या ने धन की कमी के आरोपों को राजनीति से प्रेरित बताया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने बोर्ड और निगमों के गठन के लिए धन की कमी संबंधी भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के आरोप को बृहस्पतिवार को राजनीति से प्रेरित बताया। सिद्दरामय्या ने यहां संवाददाताओं से कहा कि भाजपा झूठे, राजनीति से प्रेरित आरोप लगा रही है। भाजपा की प्रदेश इकाई के अध्यक्ष बी वाई विजयेंद्र ने बृहस्पतिवार को कांग्रेस सरकार पर अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों के कल्याण के लिए निर्धारित धन का दुरुपयोग करने और उन्हें धोखा देने का आरोप लगाया।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस के सत्ता में आने के बाद से इन समुदायों के दर्द, पीड़ा, दुख और शिकायतों का समाधान नहीं किया गया है। बयान में लोकसभा चुनाव से पहले कर्नाटक राज्य महर्षि वाल्मीकि अनुसूचित जनजाति विकास निगम की 87 करोड़ की राशि को विभिन्न बैंक खातों में कथित रूप से अवैध तरीके से हस्तांतरित करने की बात कही गई।

शिकारीपुरा से विधायक ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि राज्य की कांग्रेस सरकार अब तक अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति आयोग के लिए अध्यक्ष की नियुक्ति करने में विफल रही है जिससे यह अप्रभावी हो गया है। विजयेंद्र के अनुसार आयोगों के अध्यक्षों की नियुक्ति में देरी को चुनौती देते हुए उच्च न्यायालय में एक जनहित याचिका दायर की गई है और उच्च न्यायालय ने सरकार को नोटिस जारी किया है।

यूजीसी के मसौदा विनियम पर चर्चा के लिए कर्नाटक ने उच्च शिक्षा मंत्रियों का सम्मेलन बुलाया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक के मंत्री एम सी सुधाकर ने बृहस्पतिवार को कहा कि विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) विनियम, 2025 के मसौदे पर चर्चा के लिए सभी राज्यों के उच्च शिक्षा मंत्रियों का सम्मेलन 5 फरवरी को बेंगलूरु में आयोजित किया जाएगा।

उन्होंने कहा कि सम्मेलन में राष्ट्रीय शिक्षा नीति, 2020 दस्तावेज के कार्यान्वयन के आधार पर उच्च शिक्षा संस्थानों (एचईआई) की 'ग्रेडिंग' पर भी चर्चा की जाएगी। एक प्रेस विज्ञप्ति में, सुधाकर ने कहा कि सभी राज्यों के उच्च शिक्षा मंत्रियों को सम्मेलन में भाग लेने के लिए आमंत्रित किया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि यूजीसी के मसौदा विनियम देश की उच्च शिक्षा प्रणाली के लिए एक बड़ा खतरा है। उच्च शिक्षा विभाग का कार्यभार संभाल रहे सुधाकर ने कहा, यह राज्यों द्वारा अब तक वैध रूप से प्राप्त शक्तियों को अत्यधिक सीमित करता है और उच्च शिक्षा में राज्यों के संवैधानिक कर्तव्यों और जिम्मेदारियों को बाधित करता है।

प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया है कि नये नियमों के अनुसार, कुलपतियों की नियुक्ति और खोज समिति के गठन का अधिकार पूरी तरह से कुलाधिपतियों को दे दिया गया है तथा राज्य सरकारों को इस प्रक्रिया से पूरी तरह बाहर रखा गया है। मंत्री ने कहा कि केरल, तमिलनाडु और राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के कुछ सहयोगियों सहित कई राज्यों ने पहले ही इन विनियम के बारे में अपना विरोध दर्ज करा दिया है। उन्होंने कहा कि मसौदा विनियम के पक्ष और विपक्ष पर चर्चा करने के लिए सम्मेलन बुलाया जा रहा है। उन्होंने कहा, राज्यों से परामर्श के बिना अपने नियम लागू करने का यह कदम संघीय व्यवस्था में अनुचित है। यह संघीय चरित्र को ख़त्म करता है और इसे वापस लिया जाना चाहिए।

बगिना

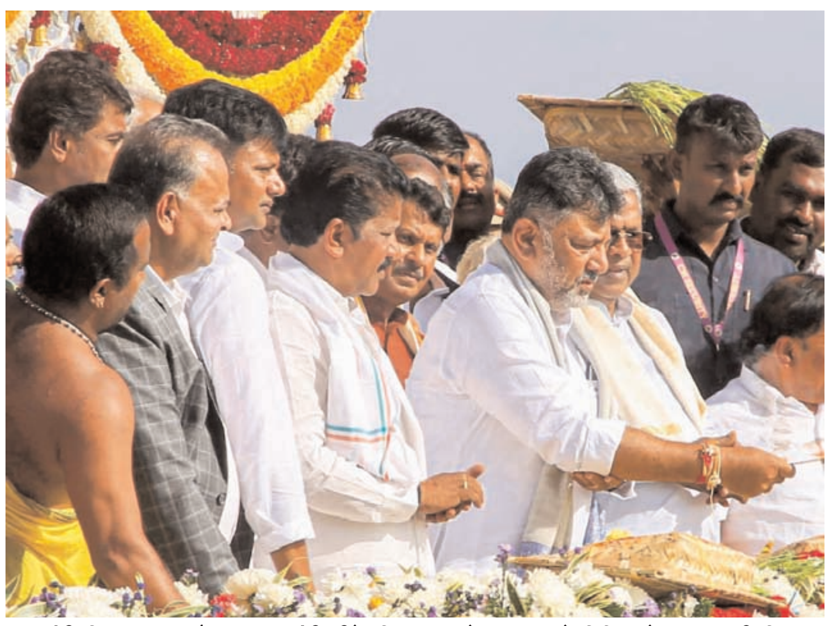

मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या और उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने गुरुवार को हिरियूर के पास वाणी विलासा सागर बांध को बगिना की पेशकश की।

बेलगावी में मालवाहक वाहन पलटने से 25 मजदूर घायल, एक मोटरसाइकिल सवार की मौत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेलगावी । कर्नाटक में बेलगावी जिले के होसुर गांव के निकट एक मालवाहक वाहन कथित रूप से पलट गया और उसकी चपेट में एक मोटरसाइकिल आ गई।

इस घटना में मोटरसाइकिल सवार की मौत हो गई जबकि मालवाहक वाहन में सवार 25 मनरेगा मजदूर घायल हो गए। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि मृतक की पहचान पूर्व सैनिक अदिवेप्पा बसवन्नी अंकाली (42)के रूप में हुई है, जो दावणगेरे जिले के अवरगोल्ला गांव का निवासी था।

पुलिस के अनुसार, महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (मनरेग) के तहत काम करने वाले 45 मजदूर काम के लिए यमकममराडी से हिडकल बांध की ओर मालवाहक वाहन में यात्रा कर रहे थे तभी अचानक एक मोटरसाइकिल उसके सामने आ गई। टक्कर से बचने की कोशिश में चालक ने कथित तौर पर नियंत्रण खो दिया और वाहन पलट गया।

एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि मोटरसाइकिल सवार होसुर गांव से आ रहा था और दुर्घटना में उसकी मौत हो गई। उन्होंने बताया कि 25 घायलों में से चार को गंभीर चोटें आई हैं। इन सभी का इलाज तीन अलग-अलग अस्पतालों में जारी है। पुलिस ने बताया कि मामले में प्राथमिकी दर्ज कर आगे की जांच की जा रही है।

केरल में मानव-पशु संघर्ष के मामलों में कमी आ रही : शशिन्द्रन

तिरुवनंतपुरम। केरल के वन मंत्री ए. के. शशिन्द्रन ने बृहस्पतिवार को कहा कि राज्य में मानव-पशु संघर्ष के मामलों में कमी आ रही है और सरकार प्रभावी कार्रवाई कर रही है। मंत्री ने विधानसभा में कांग्रेस नीत विपक्षी गठबंधन यूडीएफ की सदन की कार्यवाही दिन भर के लिए स्थगित करने और केरल में बढ़ते मानव-पशु संघर्ष के मुद्दे पर चर्चा करने की मांग को खारिज करते यह बात कही। मंत्री के अनुसार, 2012 से 2022 के बीच केरल में वन्यजीवों के हमलों के कारण 114 लोगों की मौत हुई, फिर बाद के वर्षों में यह संख्या घटकर 98, 94 और 12 रह गई।

यौन उत्पीड़न मामला

अदालत ने आईटी कंपनी कर्मी के खिलाफ आईसीसी के निष्कर्षों को बरकरार रखा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई।मद्रास उच्च न्यायालय ने एचसीएल टेक्नोलॉजीज लिमिटेड के एक कर्मचारी के खिलाफ यौन उत्पीड़न से जुड़े मामले में श्रम न्यायालय के फैसले को खारिज करते हुए कंपनी की आंतरिक शिकायत समिति (आईसीसी) के निष्कर्षों को बरकरार रखा है। श्रम न्यायालय ने अपने फैसले में कहा था कि आरोपी को सुनवाई का उचित अवसर नहीं दिया गया, जिसके चलते उसके खिलाफ दायर यौन उत्पीड़न की शिकायतें खारिज की जाती हैं। न्यायमूर्ति आरएन मंजुला ने चेन्नई के प्रधान श्रम न्यायालय के 11 दिसंबर 2019 के फैसले को चुनौती देने वाली एचसीएल टेक्नोलॉजीज लिमिटेड की याचिका स्वीकार कर ली।

याचिकाकर्ता के मुताबिक, एन पारसारथी 2016 में सर्विस डिलीवरी मैनेजर के रूप में एचसीएल टेक्नोलॉजीज से जुड़ा था। उसने बताया कि कंपनी की कई महिला कर्मचारियों ने पारसारथी के खिलाफ यौन उत्पीड़न की शिकायत की, जिसके बाद आईसीसी ने मामले की जांच की और उसे दोषी पाया। याचिकाकर्ता के अनुसार, आईसीसी की सिफारिश पर पारसारथी को सेवा से बर्खास्त कर दिया गया। उसने बताया कि पारसारथी ने फैसले को श्रम न्यायालय में चुनौती दी, जिसने आईसीसी के निष्कर्षों को उलट दिया और उसके खिलाफ मिली यौन उत्पीड़न की शिकायतों को खारिज कर दिया।

जंगल में आग लगने की घटनाओं पर लगाम लगाने के लिए एहतियाती कदम उठाने का निर्देश

बेंगलूरु। कर्नाटक के वन मंत्री ईश्वर खांड्रे ने गर्मी का मौसम करीब आने के साथ ही अधिकारियों को राज्य के जंगलों में लगने वाली आग की घटनाओं को नियंत्रित करने के लिए एहतियाती कदम उठाने का निर्देश दिया। जंगलों में वे क्षेत्र भी शामिल हैं, जहां ऐसी घटनाएं अक्सर होती हैं।

उन्होंने 22 जनवरी को विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव और वन बल प्रमुख को संबोधित करते हुए एक पत्र लिखा, जिसमें उन्होंने अधिकारियों से जंगलों में लगने वाली आग को बुझाने के लिए अग्निशमन उपकरण तैयार रखने और कर्मियों को सतर्क रहने के लिए कहा। पत्र की एक प्रति बृहस्पतिवार को मीडिया में जारी की गई। खांड्रे ने हाल में चिकमगलुरु जिले के मुदिगेरे तालुक के चारमाडी घाट के बिदिरुतला वन क्षेत्र में लगी आग के कारण जंगल को हुए नुकसान के बारे में विभाग के अधिकारियों से जानकारी भी मांगी। उन्होंने संबंधित क्षेत्र के अधिकारियों को घटना की जानकारी मिलने के बाद जंगल की आग को बुझाने में लगे समय के बारे में विस्तृत जानकारी देने का निर्देश दिया। मंत्री ने आग पर काबू पाने के लिए अपनाए गए तरीकों और संभावित नुकसान पर सात दिनों के भीतर विस्तृत रिपोर्ट भी मांगी।

यूजीसी दिशानिर्देश लाने से पहले सभी के विचारों पर गौर किया जाएगा

तिरुवनंतपुरम। केरल के राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ आर्लेकर ने विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) के मसौदा दिशा-निर्देशों पर राज्य सरकार के विरोध और आलोचना की पृष्ठभूमि में बृहस्पतिवार को कहा कि अंतिम संस्करण जारी करने से पहले सभी के विचारों पर गौर किया जाएगा। आर्लेकर ने यह भी कहा कि भारत एक लोकतंत्रिक देश है और इस देश में हर किसी को किसी भी विषय पर कुछ भी कहने का अधिकार है और इसमें कुछ भी गलत नहीं है।

केरल विधानसभा ने मंगलवार को सर्वसम्मति से एक प्रस्ताव पारित कर केंद्र सरकार से यूजीसी के मसौदा दिशा-निर्देशों को वापस लेने और संशोधित संस्करण जारी करने का आग्रह किया था। आर्लेकर ने कहा कि यूजीसी के मसौदा दिशा-निर्देशों के बारे में सभी विचार उचित व्यक्ति या उचित मंच के पास जाने चाहिए और वे इस पर चर्चा करेंगे।

प्रस्तुति

केरल के कलाकार गुरुवार को बेंगलूरु के एक होटल में केरल पर्यटन भागीदारी मीट के दौरान प्रस्तुति देते हुए।

कर्नाटक वैश्विक निवेशक सम्मेलन में नई औद्योगिक, ईवी नीतियां करेगा पेश

नयी दिल्ली। कर्नाटक सरकार अगले महीने बेंगलूरु में होने वाले कर्नाटक निवेश शिखर सम्मेलन में एक नई औद्योगिक नीति और इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी) तथा स्वच्छ परिवहन पर दो नीतियों की घोषणा करेगी। प्रदेश के उद्योग मंत्री एम बी पाटिल ने बुधवार को एक बैठक के दौरान कहा कि नई नीति में पूंजी निवेश और कारोबार के आधार पर लचीले प्रोत्साहन दिए गए हैं। विनिर्माण नवाचार अनुसंधान करने वाली कंपनियों को 10 प्रतिशत प्रोत्साहन मिलेगा, जबकि जिला और तालुका स्तर के निवेश को अतिरिक्त पांच प्रतिशत मिलेगा। विशेष प्रोत्साहन महिलाओं के रोजगार को लक्षित करते हैं।

सरकार ने प्रस्ताव की मंजूरी में लगने वाले समय को आधा करने के लिए कृत्रिम मेधा (एआई) का उपयोग करके एकल-खिड़की मंजूरी व्यवस्था को बेहतर बनाया है। उद्योगों के लिए अलग से जल आपूर्ति और बेंगलूरु के पास एक नया फार्मा पार्क बनाने की योजना बनाई गई है। प्रधान सचिव सेल्वा कुमार ने राज्य की हलफनामे-आधारित मंजूरी प्रणाली पर प्रकाश डाला, जिसके तहत व्यवसायों को तीन साल तक कई बार मंजूरी के बिना काम शुरू करने की अनुमति दी गई है। हाल ही में किए गए सुधारों से महिलाओं के लिए रात की पाली सहित काम के सुविधानुसार समय की सुविधा मिलती है।

दक्षिण पश्चिम रेलवे

निविदा सूचना सं. 01/SBC/25 , दिनांक: 07.01.2025

भारत के राष्ट्रपति की ओर से अधोहस्ताक्षरी निम्नलिखित कार्य के लिए ई-निविदाएं आमंत्रित करते हैं:

क्र.सं.	निविदा सं.	अनुमानित लागत
1	चिक्कबनावरा - हासन विभाग: नेलमंगला स्टेशन के पास रेलवे किमी. 20/750 पर प्रस्तावित नई ब्रिज नं. 39-ए का निर्माण - बॉक्स पुशिंग विधि अनुसार आरसीसी बॉक्स साईज़ 1x5.0 मीx4.25मी. - येत्तिनहोले परियोजना विभाग नं. 4 के लिए डिपोसिट कार्यो (साईज: 1x5.00मीx4.25मी - बॉक्स पुशिंग विधि अनुसार). रखरखाव की अवधि 6 महिने या एक मान्सून अवधि जो बाद मे आएया होगा।	रु. 2,55,52,996/-
2	चिक्कबनावरा - हासन विभाग: विभागीय इंजीनियर/दक्षिण/बेंगलूरु क्षेत्राधिकार पर सहायक विभागीय इंजीनियर/कुनिगल विभाग पर हिरिसावे (एचआईएसई) पर बालास्ट डिपो (210मी x 18मी) का प्रस्तावित विस्तार और एप्रोच रोड (400मीx4.5मी) का निर्माण। रखरखाव की अवधि 6 महिने या एक मान्सून अवधि जो बाद मे आएया होगा।	रु. 1,07,28,464/-
3	बेंगलूरु - सेलम विभाग: एसएसई/पीवे/टीपीपी में मुट्टमपट्टी (एमपीसी) और सिवाडी (एसझडवी) स्टेशनों के बीच किमी. 50/000-100, 50/800-51/050, 51/300-500, 51/760-880 से कटिंग पर स्लोप का चौड़ीकरण से स्लोप का स्थिरीकरण करना। रखरखाव की अवधि 6 महिने या एक मान्सून अवधि जो बाद मे आएया होगा।	रु. 7,76,05,706/-
4	बेंगलूरु - सेलम विभाग: उप कार्य-1: बेंगलूरु - सेलम विभाग में कार्यों के संबंध में किमी. 205/350-220/000 एसएल पर 14.65 किमी. दूर के लिए डीप स्क्रीनिंग कार्य: सहायक विभागीय इंजीनियर / दक्षिण / बेंगलूरु विभाग पर किमी. 205/350-220/000 एसएल से किमी 14.65 के लंबाई दूर के लिए मौजूदा 52 केजी पीएससी पर 1540 नं./किमी. का 52केजी/90 यूटीएस रेल्स को 60 केजी पीससी स्लीपर पर 1660 नं./ किमी. का 60 केजी / 90 यूटीएस रेलस से संपूर्ण ट्रैक रिन्यूअल (पी) का कार्य। उप कार्य-2: बेंगलूरु सेलम विभाग: सहायक विभागीय इंजीनियर/धर्मपुरी विभाग में किमी. 110/500-118/000 से (बिखरा हुआ स्थानों) 1 किमी. लंबाई दूर के लिए थ्रू स्लीपर रिन्यूअल कार्य।	रु. 2,07,52,551/-
5	बेंगलूरु - सेलम विभाग: उप कार्य-1: सहायक विभागीय इंजीनियर/धर्मपुरी विभाग में एलसी 143 पर प्रस्तावित रोड सतह का विस्तार करना। उप कार्य-2: चिक्क बनावरा - हासन विभाग : किमी. 3/870 से 79/530 (एसएल) तक प्रत्येक स्थानों पर 16.65 किमी. लंबाई दूर के लिए स्टांडर्ड विड्थ और ड्रैनेज का सुधारण से तट का स्थिरीकरण करने का कार्य के संबंध में 750 मी. लंबाई का दूर के लिए आरसीसी ड्रैन का निर्माण कार्य।	रु. 1,28,14,568/-
6	सहायक विभागीय इंजीनियर/कुनिगल विभाग: सहायक विभागीय इंजीनियर/कुनिगल विभाग पर 2 साल की अवधि के लिए निजी एजेन्सी से स्टेशन और कालोनीयों के लिए पोटबल पेय जल की आपूर्ती।	रु. 8,17,582/-
7	चिक्कबणावर - हासन में किमी. 14/000-124/000 (एसएल) से 110 किमी. लंबाई के दूर के लिए थ्रू बॉलास्ट रिकौपमेंट कार्यों के संबंध में हिरिसावे (एचआईएसई) डिपो पर (मात्रा - 1,43,000) लोडिंग के साथ साथ मशीन क्रश्ड ट्रैक बॉलास्ट का निर्माण, आपूर्ती और स्टैकिंग करना। (2 पैकेट)	रु. 13,32,03,070/-
8	बेंगलूरु - सेलम विभाग: उप कार्य-1: एसएसई/पीवे/धर्मपुरी (दक्षिण) विभाग में तोप्पूर (टीपीपी) और मुट्टमपट्टी (एमपीसी) स्टेशनों के बीच किमी. 48/600-700, 49/000-100 से स्लोप के कटिंग पर वायर नेटिंग से स्लोप का स्थिरीकरण करना। उप कार्य-2: एसएसई/पीपवे/धर्मपुरी (दक्षिण) विभाग में तोप्पूर (टीपीपी) और मुट्टमपट्टी (एमपीसी) स्टेशनों के बीच किमी. 49/200-340 से स्लोप के कटिंग पर वायर नेटिंग से स्लोप का स्थिरीकरण करना। उप कार्य-3: एसएसई/पीवे/धपर्मपुरी (दक्षिण) विभाग में तोप्पूर (टीपीपी) और मुट्टमपट्टी (एमपीसी) स्टेशनों के बीच किमी. 50/100-300 से स्लोप के कटिंग पर वायर नेटिंग से स्लोप का स्थिरीकरण करना। रखरखाव की अवधि 6 महिने या एक मान्सून अवधि जो बाद मे आएया होगा।	रु. 16,68,07,999/-
9	बेंगलूरु - सेलम विभाग: उप कार्य-1: विभागीय इंजीनियर/दक्षिण/बेंगलूरु क्षेत्राधिकार पर एसएसई/पीवे/डीपीजे (उत्तर) विभाग पर 5 साल की अवधि के लिए 39 कर्व्स पर ट्रैक माऊंटेड ऑटोमैटिक गेज फेस लूब्रिकेटर का आपूर्ती, स्थापना, कमीशनिंग और रखरखाव। उप कार्य-2: विभागीय इंजीनियर/दक्षिण/बेंगलूरु क्षेत्राधिकार पर एसएसई/पीवे/एचएसआरए विभाग पर 29 कर्व्स और एसएसई/पीवे/सीएनपीए पर 01 कर्व पर ट्रैक माऊंटेड ऑटोमैटिक गेज फेस लूब्रिकेटर का आपूर्ती, स्थापना, कमीशनिंग और रखरखाव। (सर्वीस निविदा) (2 पैकेट)	रु. 8,55,14,060/-
10	सहायक विभागीय इंजीनियर/हिंदूपुर विभाग: श्री सत्य साई प्रशांती निलयम (एसएसपीएन) कालोनी पर टाईप-3 कर्मचारी गृहों (08 यूनिट) का प्रस्तावित निर्माण कार्य (इलेक्ट्रिकल पोर्शन के साथ साथ). रखरखाव की अवधि 12 महिने।	रु. 2,20,14,132/-
11	बायप्पनहल्ली - धर्मावरम विभाग: चन्नसंद्रा (सीएसडीआर) - यलहंका (वायएनके) के बीच किमी. 15/452 पर आरयूबी नं. 516-ए के लिए अप लाईन और यशवंतपुर (वायपीआर) - यलहंका (वायएनके) के बीच किमी. 17/300-400 का डाऊन लाऊन पर स्पैन 2x11.755 मी. वाली आरसीसी स्लैबों को पीएससी स्लैब से पुनःस्थापन करना। रखरखाव की अवधि 6 महिने।	रु. 2,30,33,381/-
12	बेंगलूरु - धर्मावरम विभाग: एसएसई/पीवे/पीकेडी विभाग में रंगेपल्ली (आरईपीआई) - पेनुकोंडा (पीकेडी) के बीच किमी. 128/700-134/700 के बीच प्रत्येक स्थानों पर 4.5 किमी. लंबाई दूर के लिए आरसीसी ड्रैन का निर्माण कार्य। रखरखाव की अवधि 6 महिने।	रु. 2,83,68,263/-
13	बेंगलूरु - संपिगे रोड और लोट्टेगोल्लहल्ली - यलहंका विभाग: उप कार्य-1: एसएसई/पीवे/यशवंतपुर विभाग में बेंगलूरु - अरसीकेरे पर किमी. 19/300 से 26/900 के बीच (डाऊन लाईन - 3.65 किमी) में प्रत्येक स्थानों पर 4.60 किमी. लंबाई दूर के लिए आरसीसी साईड ड्रैन का निर्माण। उप कार्य-2: यलहंका - बंगारपेट विभाग: एसएसई/पीवे/यलहंका विभाग में यलहंका - चिंतामणी पर किमी. 17/000 से 75/200 के बीच में प्रत्येक स्थानों पर 4.60 किमी. लंबाई दूर के लिए आरसीसी साईड ड्रैन का निर्माण। रखरखाव की अवधि 6 महिने।	रु. 5,79,06,382/-
14	बेंगलूरु विभाग: डीएसडीसी रेल गाडियों का चलाने के लिए आरओबी यों का पुनर निर्माण और लेवेल क्रॉसिंग को हटाकर आरोबी/आरयूबी यों का निर्माण करने के संबंध में डीपीआर का तैयारी और समर्पण करना (24 नं.)	रु. 86,11,531/-

निविदाओं जमा करने की अंतिम तिथि: 03.02.2025, 15:00 बजे तक

विवरण के लिए लॉग ऑन करें www.ireps.gov.in में

PUB/725/AAF/PRB/SWR/2024-25 वरिष्ठ विभागीय इंजीनियर / समन्वय / बेंगलूरु

South Western Railway - SWR | SWRRLY | SWRRLY

महिला सुरक्षा के लिए हम प्रतिबद्ध : मुख्यमंत्री भजनलाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि महिलाएं हमारी आधी आबादी हैं और बच्चे हमारे भविष्य की नींव हैं। उनके विकास और सशक्तीकरण से ही हमारा देश-प्रदेश मजबूत होगा। उन्होंने कहा कि महिलाओं और बच्चों के जीवन को बेहतर बनाने, उनके स्वास्थ्य एवं गुणवत्तापूर्ण पोषण सुनिश्चित करने के लिए राज्य सरकार निरंतर कार्य कर रही है। साथ ही, राज्य सरकार महिला सुरक्षा के लिए प्रतिबद्ध है। शर्मा गुरूवार को बिड़ला ऑडिटोरियम में महिला एवं बाल विकास विभाग की 'सशक्त नींव-उज्ज्वल भविष्य' की थीम पर आयोजित आमुखीकरण कार्यशाला को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि महिलाओं एवं बच्चों को सशक्त बनाने में महिला एवं बाल विकास विभाग महत्वपूर्ण कड़ी है। महिलाओं के सशक्तीकरण के लिए विभागीय योजनाओं का प्रभावी रूप से क्रियान्वयन किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि सभी कार्मिक पूर्ण जिम्मेदारी, पारदर्शिता और निष्ठा से काम करते हुए योजनाओं का लाभ धरातल तक लाना सुनिश्चित करें। साथ ही, नवीनतम तकनीक एवं नवाचारों से खुद को अपडेट रखें।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश के लगभग 43 लाख बच्चों और महिलाओं को आंगनबाड़ी केंद्रों के माध्यम से पोषाहार उपलब्ध कराया जा रहा है। पोषाहार की गुणवत्ता के लिए ओ.टी.पी. आधारित प्राप्ति तथा चेहरे से पहचान जैसे नवाचार किए गए हैं। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री अमृत आहार योजना के माध्यम से बच्चों को अतिरिक्त पोषण के रूप में गर्म दूध उपलब्ध कराया जा रहा है। उन्होंने आंगनबाड़ी केंद्रों को नियमित रूप से खोलने एवं बच्चों को निर्धारित समय सारिणी के अनुसार गतिविधियां कराए जाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि आंगनबाड़ी केन्द्रों की आधारभूत सुविधाओं में सुधार के लिए भामाशाहों, एनजीओ और सीएसआर भागीदारों का सहयोग लें। साथ ही, भामाशाहों की सूची आंगनबाड़ी केन्द्रों एवं कार्यालयों के बाहर लगाएं जिससे बाकी लोग भी प्रेरित हों।

शर्मा ने कहा कि महिलाओं के सशक्तीकरण के लिए राज्य सरकार द्वारा कई महत्वपूर्ण योजनाएं संचालित की जा रही हैं। इनमें महिला सुरक्षा एवं सलाह केन्द्र, वन स्टॉप सेन्टर, सखी केन्द्र, उद्यम प्रोत्साहन योजना, वर्क फ्रॉम होम योजना, शिक्षा सेतु योजना, अमृता हाट योजना एवं मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह अनुदान योजना शामिल हैं। महिला हेल्प लाइन नंबर 181 का भी व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाए। उन्होंने कहा कि काली बाई भील उड़ान योजना को पूर्ण पारदर्शिता से लागू कर पात्र लाभार्थी किशोरियों को समय पर सेनेटरी पैड उपलब्ध कराए जाएं। मुख्यमंत्री ने कहा कि यशस्वी प्रधानमंत्री माननीय नरेंद्र मोदी द्वारा शुरू की गई 'बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ' योजना से बालिकाओं के प्रति समाज की सोच में सकारात्मक बदलाव आया है एवं बाल लिंगानुपात तथा बालिका शिक्षा में सुधार हुआ है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार द्वारा लाड़ो प्रोत्साहन योजना लागू की गई है। इसमें बालिका के जन्म से उसके स्नातक तक की शिक्षा पूरी करने तक एक लाख की राशि की सहायता का प्रावधान किया गया है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार कर्मचारियों के हित के लिए प्रतिबद्धता से कार्य कर रही है। साथ ही, विभागीय रिक्त पदों को जल्द भरा जाएगा। उन्होंने कहा कि आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं के मानदेय में 10 प्रतिशत की वृद्धि से लगभग 1.50 लाख महिला मानदेयकर्मी लाभान्वित हुई हैं।

उपमुख्यमंत्री और महिला एवं बाल विकास मंत्री दीया कुमारी ने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के कुशल नेतृत्व में बच्चों एवं महिलाओं के लिए विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाएं संचालित की जा रही हैं। जिससे समाज में उनकी समान भागीदारी सुनिश्चित की जा सके। उन्होंने मुख्यमंत्री का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री के निर्देश पर यह आमुखीकरण कार्यशाला आयोजित की गई। जिसमें विभाग की सबसे छोटी इकाई से लेकर विभागीय अधिकारियों तक के लिए एक मंच पर संवाद हुआ है।

कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री ने आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, पर्यवेक्षक, विभागीय अधिकारियों सहित विभिन्न कार्मिकों से संवाद किया। उन्होंने कार्मिकों से योजनाओं के संचालन की जमीनी स्तर पर जानकारी, उनकी कार्यशैली सहित विभिन्न पहलूओं पर बात की। उन्होंने कार्मिकों को अपने कर्तव्यों के प्रति समर्पण भाव से काम करने के निर्देश दिए। इस अवसर पर महिला एवं बाल विकास राज्यमंत्री डॉ. मंजू बाघमार ने भी अपने विचार व्यक्त किए। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने आईसीडीएस फील्ड कार्मिक प्रशिक्षण के लिए धौलपुर में स्किल लैब का वर्चुअल उद्घाटन किया। नवीनतम तकनीक से लैस इस स्किल लैब के शुभारंभ से आईसीडीएस कार्मिकों के प्रशिक्षण में सुविधा मिलेगी। इससे संबंधित लघु फिल्म का प्रदर्शन भी इस दौरान किया गया। साथ ही, सखी वन स्टॉप सेंटर 181 के पोस्टर, डीबीटी के साथ व्यवहार परिवर्तन की रणनीति के पोस्टर तथा कालीबाई भील उड़ान योजना की पुस्तिका का विमोचन भी किया गया। उन्होंने सेल्फी बूथ पर फोटो भी खिंचवाई। कार्यक्रम में विभिन्न योजनाओं के संचालन में उत्कृष्ट कार्मिकों का सम्मान भी किया गया। मुख्यमंत्री बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ तथा बाल विवाह को रोकने के लिए उपस्थित जनसमूह को शपथ भी दिलवाई।

जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ सभी पात्र नागरिकों तक पहुंचे : राज्यपाल बागड़े

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े ने बृहस्पतिवार को केंद्र और राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ सभी पात्र नागरिकों तक पहुंचाने की आवश्यकता पर जोर दिया। वह सीकर में जिला स्तरीय अधिकारियों की बैठक को संबोधित कर रहे थे। राज्यपाल ने कहा कि केंद्र और राज्य सरकार की योजनाओं को जमीनी स्तर तक पहुंचाने की जिम्मेदारी सभी अधिकारियों की है, ताकि सभी पात्र व्यक्ति इसका लाभ उठा सकें। राज्यपाल ने जल जीवन मिशन योजना और प्रधानमंत्री आवास योजना की प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि कोई भी पात्र गरीब परिवार आवास से वंचित न रहे, साथ ही स्वच्छता मिशन के तहत शौचालय निर्माण के कार्य की भी जानकारी ली। आधिकारिक बयान के अनुसार इस दौरान उन्होंने प्रधानमंत्री आवास योजना, स्वामित्व योजना, मनरेगा योजना, स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण, प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना, मुद्रा योजना सहित केंद्र एवं राज्य सरकार की अन्य जनकल्याणकारी योजनाओं की समीक्षा की।

राज्यपाल ने कहा कि केंद्र और राज्य सरकार की योजनाओं को जमीनी स्तर तक पहुंचाने की जिम्मेदारी सभी अधिकारियों की है, ताकि सभी पात्र व्यक्ति इसका लाभ उठा सकें। राज्यपाल ने जल जीवन मिशन योजना और प्रधानमंत्री आवास योजना की प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि कोई भी पात्र गरीब परिवार आवास से वंचित न रहे, साथ ही स्वच्छता मिशन के तहत शौचालय निर्माण के कार्य की भी जानकारी ली। इस दौरान उन्होंने प्रधानमंत्री आवास योजना, स्वामित्व योजना, महात्मा गांधी नरेगा योजना, स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण, एक पेड़ मां के नाम अभियान, राजीविका, प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना, जल जीवन मिशन, प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना, प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना, फॉर्म रजिस्ट्री, प्रधानमंत्री मातृत्व वंदना योजना, प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना, मुद्रा योजना सहित केंद्र एवं राज्य सरकार की अन्य जनकल्याणकारी योजनाओं की समीक्षा कर शत प्रतिशत उपलब्धि अर्जित करने के निर्देश दिए।

कोटा में नीट और जेईई आकांक्षियों ने फांसी लगाई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोटा। गुजरात की एक नीट आकांक्षी और जेईई की कोचिंग ले रहे असम के एक छात्र ने बुधवार को कोटा में दो घंटे के अंतराल में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। इसके साथ ही कोचिंग हब के नाम से मशहूर इस शहर में साल के पहले 22 दिनों में ऐसे छह मामले सामने आ चुके हैं। पुलिस ने बताया कि गुजरात के अहमदाबाद की मूल निवासी नीट आकांक्षी अशफा शेख ने सुबह करीब 10 बजे जवाहर नगर इलाके में स्थित अपने किराए के कमरे में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। जवाहर नगर क्षेत्र निरीक्षक रामलक्ष्मण ने बताया कि 24 वर्षीय युवती ने पहले भी कई बार मेडिकल प्रवेश परीक्षा दी थी, लेकिन वह सफल नहीं हो सकी थी। वह कोचिंग लेती थी, लेकिन फिलहाल खुद से पढ़ाई कर रही थी।

उन्होंने बताया कि उसके कमरे से कोई सुसाइड नोट बरामद नहीं हुआ है तथा इस कदम के पीछे का कारण अभी पता नहीं चल पाया है। जवाहर नगर पुलिस जब शेख के मामले की जांच कर रही थी, उसके दो घंटे बाद ही महावीर नगर पुलिस को एक अन्य छात्र की आत्महत्या की सूचना मिली।

पुलिस ने बताया कि दोपहर करीब 12 बजे असम के गुवाहाटी के 18 वर्षीय जेईई आकांक्षी ने महावीर नगर इलाके में स्थित अपने छात्रावास के कमरे में लोहे के एंगल से फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। जिला प्रशासन के दिशा-निर्देशों के अनुसार, छात्रावास प्रशासन ने कमरों में 'आत्महत्या निरोधक' उपकरण लगाया था। अधिकारी ने बताया कि हालांकि, लड़के ने लोहे के एंगल से फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। निरीक्षक ने बताया कि लड़के को अगले सप्ताह जेईई-मेन्स की परीक्षा देनी थी और उसकी मां उसकी देखभाल के लिए कोटा पहुंचने वाली थी, लेकिन लड़के ने अपनी मां के यहां पहुंचने से कुछ घंटे पहले ही आत्मघाती कदम उठा लिया। उन्होंने बताया कि छात्रावास के कमरे से कोई सुसाइड नोट बरामद नहीं हुआ है। दोनों शवों को शवगृह में रखवा दिया गया है। इससे पहले, कोटा में चार जेईई अभ्यर्थियों ने आत्महत्या कर ली थी। कोचिंग संस्थानों के प्रमुख केंद्र इस शहर में 2024 में ऐसे 17 मामले सामने आए थे।

राजस्थान में कई जगह हल्की बारिश

जयपुर/दक्षिण भारत। एक नए पश्चिमी विक्षोभ के असर से बीते चौबीस घंटे में राज्य में कई जगह हल्की बारिश हुई। मौसम विभाग के अनुसार, बृहस्पतिवार को सुबह तक बीते चौबीस घंटे में राज्य में कई जगह हल्की से मध्यम बारिश हुई। भरतपुर में 2.0 मिलीमीटर और टोडा भीम तथा बयाना में एक मिलीमीटर बारिश हुई। इसके अलावा भी कई जगह बूंदाबांदी हुई। इस दौरान न्यूनतम तापमान फतेहपुर में 5.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। चुरू में न्यूनतम तापमान 7.4 डिग्री, पिलानी में 8.0 डिग्री, संगरिया में 8.1 डिग्री, जैसलमेर में 8.6 डिग्री तथा सिरोही में 8.9 डिग्री सेल्सियस न्यूनतम तापमान दर्ज किया गया। राजधानी जयपुर में इस दौरान अधिकतम व न्यूनतम तापमान क्रमश: 24.0 डिग्री और 15 डिग्री सेल्सियस रहा।

किसान ने उगाई 5 किलो की विशालकाय मूली, देखने उमड़े लोग

फतेहपुर शेखावाटी। राज्य के फतेहपुर शेखावाटी में शौकिया सब्जी उत्पादन करने वाले किसान महेश स्वामी के खेत में 5 किलो 80 ग्राम वजन की करीब 2 फीट की मूली उगी है जो कि अपने आप में आश्चर्यजनक है। इस विशालकाय मूली को देखने के लिए बड़ी संख्या में भीड़ उमड़ी। महेश स्वामी ने बताया कि वे सब्जी उत्पादन में नए नए प्रयोग करते रहते हैं ताकि अच्छा उत्पादन मिल सके। उन्होंने बताया कि इस 5 किलो की मूली के साथ 2 किलो वजन की मूली का अच्छा उत्पादन हुआ है। उन्होंने बताया कि उन्होंने अपने खेत में जैव खाद का ही प्रयोग कर इस विशालकाय मूली को उगाया है। स्वामी फतेहपुर से भाजपा के पूर्व पार्षद है और अब समाजसेवा के कार्य में रुचि लेते हैं।

पांच दिवसीय सांभर महोत्सव आज से

जयपुर। राजस्थान के सांभर में 24 से 28 जनवरी तक पांच दिवसीय सांभर महोत्सव 2025 आयोजित किया जाएगा जो सैलानियों और स्थानीय लोगों को सांस्कृतिक, धार्मिक और रोमांचक अनुभवों से रूबरू कराएगा।

इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी ने कहा कि सांभर महोत्सव राजस्थान की कला, संस्कृति और प्राकृतिक धरोहर को वैश्विक मंच पर लाने का एक अद्वितीय प्रयास है और आने वाले समय में यह अंतरराष्ट्रीय स्तर पर एक प्रमुख आकर्षण बनेगा इस दिशा में तेजी से काम चल रहा है।

पर्यटन विभाग के उपनिदेशक उपेंद्र सिंह शेखावत ने बताया कि सांभर की साल्ट लेक अब प्री-वेडिंग शूट और एस्ट्रो टूरिज्म के लिए भी लोकप्रिय हो रही है। झपोक, सांभर सॉल्ट कैंपस, देवयानी तीर्थ सरोवर और मेला ग्राउंड पर इस महोत्सव के दौरान कई कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। महोत्सव में कला एवं शिल्प स्टॉल और फोटोग्राफी प्रदर्शनी, राजस्थानी कला और शिल्प का प्रदर्शन एवं फैंसी पतंग उड़ाने का प्रदर्शन भी होगा। इस दौरान विभिन्न डिज़ाइन और रंगों की पतंगें आकाश को सजाएंगी।

धीरेन्द्र शास्त्री का बयान : महाकुंभ में युवतियों की रील बनाने वालों पर उठाया सवाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जोधपुर। बागेश्वर धाम के पीठाधीश्वर धीरेन्द्र शास्त्री ने जोधपुर में मीडिया से बातचीत के दौरान भारतीय सनातन संस्कृति, हिंदुत्व और धर्मांतरण जैसे विषयों पर अपने विचार साझा किए। महाकुंभ को गौरवशाली परंपरा का प्रतीक बताते हुए उन्होंने इसके उद्देश्यों और वर्तमान स्थिति पर भी टिप्पणी की। धीरेन्द्र शास्त्री ने कहा, भारतीय सनातन संस्कृति अनोखी और गौरवशाली है। महाकुंभ 144 वर्षों बाद हो रहा है, जो हमारी एकता का प्रतीक है। दुनिया भर से लोग, चाहे वे किसी भी राष्ट्रीयता के हों, इस आयोजन में शामिल होकर डुबकी लगाते हैं। यह हमारी वसुधैव कुटुंबकम की भावना को दर्शाता है।

उन्होंने आदिवासी समुदायों पर हो रहे धर्मांतरण को लेकर चिंता जाहिर की और कहा कि आदिवासी धर्मांतरण के लिए सबसे सॉफ्ट टारगेट हैं। इसे रोकने के लिए उन्होंने हनुमान चालीसा बागेश्वर मंडल अभियान की घोषणा की, जिसके तहत हर गांव और मोहल्ले में हिंदुत्व को सशक्त करने की पहल की जाएगी।

महाकुंभ में युवतियों की रील बनाने की प्रवृत्ति पर धीरेन्द्र शास्त्री ने सवाल उठाया। उन्होंने कहा, महाकुंभ का उद्देश्य हमारी सनातन संस्कृति का प्रचार-प्रसार करना है। यह साधु-संतों, शंकराचार्यों और मठाधीशों के लिए एक मंच है। लेकिन ध्यान रील बनाने पर केंद्रित हो गया है, जो कि कुंभ के उद्देश्यों को भटका रहा है। हमें रील में नहीं, रियल जिंदगी में जीना चाहिए।

उन्होंने महाकुंभ को शोध का एक बड़ा केंद्र बताया, जहां 40 करोड़ लोगों के प्रबंधन का विश्लेषण किया जा सकता है। साथ ही, इस आयोजन को हिंदुत्व की रक्षा और धर्मांतरण के खिलाफ लड़ाई का माध्यम बनाने की बात कही। धीरेन्द्र शास्त्री का बयान महाकुंभ के मूल उद्देश्यों की ओर ध्यान आकर्षित करता है। उनका कहना है कि यह आयोजन भारतीय सनातन संस्कृति और हिंदुत्व की जड़ों को मजबूत करने का एक महत्वपूर्ण अवसर है। रील संस्कृति से बचकर इस आयोजन को अपनी मूल भावना के साथ जीने पर जोर देना चाहिए।

कार्यशाला में छात्राओं ने सीखे आत्मरक्षा के गुर

बहरोड़। नेताजी सुभाषचंद्र बोस की जयंती के उपलक्ष्य में श्रीमती नारायणी देवी महिला महाविद्यालय में राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में आत्मरक्षा प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन किया गया। जिसमें नीमराना पुलिस थाना से कांस्टेबल सीमा, मांढन पुलिस थाना से कांस्टेबल अनिता तथा बहरोड़ पुलिस थाना से कांस्टेबल पूजा ने छात्राओं को आत्मरक्षा की व्यवहारिक तकनीको का गहन प्रशिक्षण दिया। उन्होंने हेल्पलाइन नंबर, पुलिस थाना नंबर, वूमेन सेफ्टी एंप, वूमेन सेफ्टी हेल्पलाइन साइट तथा स्टेप बाय स्टेप आत्मरक्षा की बहुत ही उन्नत तकनीकियों को समझाया तथा साथ ही साइबर क्राइम से अपने सेल फोन, लैपटॉप और अपने आप को कैसे बचाएं, यातायात के नियमो को कैसे हैंडल करें समझाया गया। इस अवसर पर कॉलेज प्राचार्य डॉ. नीलम यादव ने छात्राओं को संबोधित करते हुए बताया कि आज के समय में छात्राओं को आत्मनिर्भर होना बहुत जरूरी है।

परिवहन विभाग के अधिकारी के ठिकानों पर एसीबी का छापा

जयपुर। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) की टीमों ने जयपुर में तैनात परिवहन विभाग के एक अधिकारी के ठिकानों पर बृहस्पतिवार को छापे मारे। एसीबी के एक अधिकारी ने बताया कि भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो की पांच टीमें राजस्थान के अलग-अलग शहरों के साथ-साथ उत्तर प्रदेश के एक शहर में परिवहन विभाग के सहायक क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी (एटीआरओ) संजय शर्मा से जुड़े ठिकानों पर तलाशी ले रही हैं। उन्होंने बताया कि शर्मा के खिलाफ भ्रष्टाचार की शिकायतें मिलने के बाद यह कार्रवाई की जा रही है।

अजमेर ब्यूरो के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक भागचंद मीणा ने बताया कि एआरटीओ संजय शर्मा के खिलाफ आय से अधिक संपत्ति रखने का आरोप है। उन्होंने बताया कि जयपुर, भरतपुर, मुरादाबाद (उत्तर प्रदेश) में शर्मा से जुड़े 10 अलग-अलग ठिकानों पर तलाशी ली जा रही है। मीणा के अनुसार, एसीबी की टीमें आरोपी अधिकारी के मुरादाबाद स्थित पैतृक गांव में तलाशी लेने के साथ-साथ उसके रिश्तेदारों और दोस्तों से भी पूछताछ कर रही है।

अन्तर्राष्ट्रीय स्तर का औद्योगिक शहर बने भिवाड़ी : पंत

जयपुर। मुख्य सचिव सुधांश पंत ने कहा कि भिवाड़ी को देश के सबसे सुव्यस्थित औद्योगिक शहरों में से एक के रूप में विकसित किये जाने के लिए सभी विभागों को सम्मिलित प्रयास करने की आवश्यकता है। राजस्थान में आ रहे बडे निवेश के संदर्भ में एनसीआर रीजन तथा विशेष रूप से भिवाड़ी की बड़ी भूमिका रहेगी, अत: इसे गुरूग्राम का काउन्टर मैग्नेट शहर के रूप में विकसित किये जाने की आवश्यकता है। उन्होंने भिवाड़ी एकीकृत विकास प्राधिकरण की समीक्षा बैठक के दौरान ये बात कही।

बैठक में भिवाड़ी की वर्षो पुरानी जलभराव की समस्या के समाधान के लिए तैयार किए गए ड्रेनेज मास्टर प्लान की समीक्षा की गई, जिसमें बताया गया कि प्रथम चरण के 50 करोड़ रुपये के कार्यो के लिए निविदा जारी कर दी गई है। मुख्य सचिव ने उक्त कार्य को शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिए। भिवाड़ी में अन्तर्राष्ट्रीय स्तर का कन्वेंशन सेंटर बनाए जाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया। साथ ही वर्ल्ड क्लास जू, खेल स्टेडियम, ट्रांसपोर्ट नगर सहित विभिन्न प्रस्तावित व प्रगतिरत परियोजनाओं की भी समीक्षा की गई। भिवाड़ी क्षेत्र में भावी विकास की संभावनाओं के मध्यनजर लैण्ड रिकॉर्ड को त्रुटिरहित बनाने तथा आमजन से संबंधित सेवाओं के शीघ्र निष्पादन के लिये डिजिटलाईजेशन कार्य पर भी चर्चा की गई। मुख्य सचिव ने भिवाड़ी को देश का पहला शत प्रतिशत डिजिटलाईज्ड लैण्ड रिकॉर्ड वाला शहर बनाये जाने हेतु प्रयास करने का लक्ष्य दिया।

बैठक में अजिताभ शर्मा, प्रमुख शासन सचिव, उद्यद्योग एवं वाणिज्य, वैभव गालरिया, प्रमुख शासन सचिव, नगरीय विकास विभाग, निदेशक स्वायत्त शासन विभाग, जिला कलक्टर, पुलिस अधीक्षक, आयुक्त बीडा सहित विभिन्न विभागों के अधिकारीगण उपस्थित रहे।

'आप' ने दिल्ली को कूड़े के ढेर में बदला, अवैध बांग्लादेशियों, रोहिंग्याओं को बसाया: आदित्यनाथ

नई दिल्ली/भाषा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बृहस्पतिवार को आम आदमी पार्टी (आप) पर निशाना साधते हुए कहा कि उसकी सरकार ने दिल्ली को ''कूड़े के ढेर'' में बदल दिया और लोगों की बुनियादी सुविधाओं की अनदेखी की है। उन्होंने आरोप लगाया कि 'आप' सरकार ने शहर के ओखला क्षेत्र में अवैध बांग्लादेशियों और रोहिंग्याओं को बसने में मदद की।

दिल्ली विधानसभा के लिए पांच फरवरी को होने वाले चुनाव से पहले, किराड़ी इलाके में अपनी पहली रैली को संबोधित करते हुए योगी ने आरोप लगाया कि 'आप' संयोजक अरविंद केजरीवाल ने यमुना को ''गंदे नाले'' में बदलने का ''पाप'' किया है। योगी ने कहा, ''कल मैंने अपने सभी मंत्रियों के साथ प्रयागराज में संगम में डुबकी लगाई, जहां महाकुंभ चल रहा है। मैं केजरीवाल से पूछना चाहता हूं कि क्या वे अपने मंत्रियों के साथ दिल्ली में यमुना में स्नान कर सकते हैं। अगर उनमें थोड़ा भी नैतिक साहस है तो उन्हें जवाब देना चाहिए।'' उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री ने राष्ट्रीय राजधानी में सड़कों की खराब स्थिति, अस्वच्छता, पेयजल की समस्या और सीवर का पानी सड़कों पर बहने का आरोप लगाते हुए 'आप' की आलोचना की। योगी ने दावा किया कि उत्तर प्रदेश के नोएडा-गाजियाबाद की सड़कें दिल्ली से कहीं बेहतर हैं। उन्होंने यह भी दावा किया कि 'आप' सरकार उपभोक्ताओं से तीन गुना अधिक बिजली दरें वसूल रही है लेकिन वे चौबीसों घंटे बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने में असमर्थ हैं।

सुभाष चंद्र बोस की जयंती पर उन्हें उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री आदित्यनाथ ने श्रद्धांजलि दी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने नेताजी सुभाष चंद्र बोस की जयंती पर परिवर्तन चौक स्थित उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि देते हुए कहा कि भारत माता के महान सपूत और स्वतंत्रता संग्राम के महानायक नेताजी सुभाष चंद्र बोस का जीवन साहस, निष्ठा और निस्वार्थ सेवा की मिसाल है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बृहस्पतिवार को नेताजी के जीवन, व्यक्तित्व और कृतित्व पर प्रकाश डालते हुए युवाओं को प्रेरित किया। उन्होंने कहा, ''नेताजी ने स्वतंत्रता संग्राम को नई दिशा दी। उन्होंने भारतवासियों के दिलों में देशभक्ति की ऐसी अलख जगाई, जिसे भुलाया नहीं जा सकता। उनका नारा 'तुम मुझे खून दो, मैं तुम्हें आजादी दूंगा' आज भी हर भारतवासी के लिए प्रेरणा स्रोत है।'' मुख्यमंत्री ने कहा, ''आज हम नेताजी की जयंती को पराक्रम दिवस के रूप में मना रहे हैं। भारत माता के इस महान सपूत ने अपने व्यक्तित्व और कृतित्व से आजादी के आंदोलन को नई दिशा दी। नेताजी का नाम हर भारतवासी के लिए गर्व और प्रेरणा का प्रतीक है।'' उन्होंने कहा कि वर्ष 2021 में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 23 जनवरी

को पराक्रम दिवस के रूप में मनाने का निर्णय लिया जो नेताजी के प्रति देश की कृतज्ञता का प्रतीक है। उन्होंने कहा, ''नेताजी ने अपने जीवन के सबसे प्रतिष्ठित समय में सिविल सेवा की नौकरी को त्याग दिया, क्योंकि वह विदेशी हुकूमत के अधीन कार्य करना नहीं चाहते थे। यह कदम न केवल उनके देश प्रेम का परिचायक था, बल्कि युवाओं के लिए प्रेरणा का स्रोत भी बना।'' योगी ने युवाओं को राष्ट्र धर्म का महत्व समझाते हुए कहा कि हर नागरिक को जाति, मजहब, भाषा और क्षेत्रीय सीमाओं से ऊपर उठकर राष्ट्र धर्म को सर्वोपरि मानना चाहिए। योगी ने कहा कि युवा पखवाड़ा के तहत स्वामी विवेकानंद की जयंती से लेकर नेताजी सुभाष चंद्र बोस की जयंती तक यह पूरा कार्यक्रम युवाओं को नई प्रेरणा देता है।

इससे पहले योगी आदित्यनाथ ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर पोस्ट कर कहा, ''तुम मुझे खून दो, मैं तुम्हें आजादी दूंगा। नेताजी सुभाष चंद्र बोस के इस महाघोष ने भारत के स्वतंत्रता समर को एक नई ऊर्जा तथा नई दिशा दी थी।''

उन्होंने कहा, ''आजाद हिन्द फौज के संस्थापक नेताजी की जयंती पर उन्हें विनम्र श्रद्धांजलि एवं प्रदेश वासियों को पराक्रम दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं। जय हिंद!'' बोस की जयंती को पराक्रम दिवस के रूप में मनाया जाता है।

महू में अंबेडकर की प्रतिमा के सामने 101 उठक-बैठक लगाकर माफी मांगें राहुल गांधी : विजयवर्गीय

इंदौर/भाषा। मध्यप्रदेश के कैबिनेट मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने बृहस्पतिवार को कहा कि लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी को डॉ. बीआर अंबेडकर की जन्मस्थली महू में उनकी प्रतिमा के सामने 101 उठक-बैठक लगाकर संविधान के कथित अपमान के लिए माफी मांगनी चाहिए। उन्होंने कांग्रेस शासनकाल के दौरान संविधान की हत्या का आरोप लगाते हुए यह बात कही।

कांग्रेस इंदौर के पास महू में 27 जनवरी को जय बापू-जय भीम-जय संविधान रैली का आयोजन करने जा रही है। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) शासित प्रदेश में होने वाली रैली में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी भी भाग लेंगे।

विजयवर्गीय ने इंदौर में संवाददाताओं से कहा,''हम संविधान को रामचरित मानस, गीता और वेद-पुराण जैसे पवित्र ग्रंथ मानकर अपने सिर पर रखते हैं, जबकि उनके (राहुल गांधी) लिए संविधान जेब में रखने वाली किताब है। इसमें उनकी गलती नहीं है क्योंकि उन्हें संस्कार ही ऐसे मिले हैं।''

'इंडियन स्टेट' वाले बयान को लेकर राहुल गांधी के खिलाफ संभल में परिवाद दायर

संभल (उप्र)/भाषा। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी के विरुद्ध सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के खिलाफ बयान देने के आरोप में संभल की विशेष सांसद/विधायक अदालत में एक परिवाद दायर किया गया है। वादी के अधिवक्ता सचिन गोयल ने बृहस्पतिवार को बताया कि उनके मुवक्किल और हिंदू शक्ति दल के राष्ट्रीय अध्यक्ष सिमरन गुप्ता ने विशेष न्यायाधीश (सांसद/विधायक न्यायालय) आदित्य सिंह की अदालत में एक परिवाद दायर किया है।

उनके मुताबिक, परिवाद में आरोप लगाया गया है कि कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने पिछली 15 जनवरी को दिल्ली में नये कांग्रेस मुख्यालय के उद्घाटन के दौरान कहा था कि उनकी लड़ाई न सिर्फ भाजपा और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से है, बल्कि 'इंडियन स्टेट' (भारतीय व्यवस्था) के साथ भी है। गोयल के मुताबिक, उनका यह बयान देश की एकता और अखंडता के लिए खतरा है। शिकायतकर्ता सिमरन गुप्ता ने कहा, ''राहुल गांधी की टिप्पणी देश के लोगों का मजाक उड़ाती है और भारत की एकता और अखंडता के लिए खतरा पैदा करती है। मैंने इस मुद्दे पर 18 जनवरी को संभल के जिलाधिकारी और उत्तर प्रदेश के पुलिस महानिदेशक को एक पत्र भेजा था, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। इसलिए, मैंने आज उनके खिलाफ मुकदमा दर्ज करने के लिए अदालत में आवेदन दायर किया है।'' वकील ने दावा किया कि अदालत ने मामले को आगे की कार्यवाही के लिए स्वीकार कर लिया है। हालांकि अगली तारीख अभी जारी नहीं की गई है।

भाजपा की सरकार ''झूठ और लूट'' की नीति पर चल रही : अखिलेश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। समाजवादी पार्टी (सपा) के प्रमुख अखिलेश यादव ने बृहस्पतिवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर ''झूठ और लूट'' की नीति पर सरकार चलाने का आरोप लगाया। यादव ने बयान में भाजपा पर गम्भीर आरोप लगाते हुए कहा, ''भाजपा झूठी पार्टी है। भाजपा की सरकार झूठ और लूट की नीति पर चल रही है। झूठे वादे और हर विभाग, हर योजना में लूट करना ही इनका काम है।''

उन्होंने कहा, ''भाजपा की केन्द्र एवं प्रदेश सरकारों ने झूठ बोलकर हर वर्ग और जनता को ठगने का काम किया। किसानों, नौजवानों, छात्रों, व्यापारियों से झूठे वादे किए। कोई भी वादा पूरा नहीं किया। अब फिर उत्तर प्रदेश की जनता को नए-नए झूठे सपने दिखाना शुरू कर दिए गये हैं। भाजपा सरकार की गलत नीतियों के चलते 10 साल में भी किसानों की आय दोगुनी नही हुई। उलटे उनकी आय दिनों दिन घटती जा रही है।'' पूर्व मुख्यमंत्री ने दावा किया कि किसानों को उनकी फसलों का लागत मूल्य नहीं मिल रहा है और गन्ना किसानों का चीनी मिलों पर बकाया बढ़ता जा रहा है। उन्होंने दावा किया कि भाजपा सरकार लगातार किसान विरोधी कार्य कर रही है और इस वर्ष अभी तक गन्ना मूल्य की घोषणा नहीं हुई। उन्होंने कहा, ''भाजपा सरकार ने प्रदेश की जनता को भारी निवेश और लाखों नौकरियों के सपने दिखाये। बड़ी-बड़ी इनवेस्टर्स मीट हुई। इनमें देश के बड़े उद्योगपति और प्रधानमंत्री जी, केन्द्रीय मंत्री और राष्ट्रपति तक आये लेकिन कोई निवेश जमीन पर नहीं दिखाई दे रहा है।'' यादव ने कहा, ''किसी भी जिले में फैक्टरी और कम्पनी लगती नहीं दिख रही है। न तो भाजपा सरकार निवेश ला पायी और न नौजवानों को नौकरी, रोजगार दे पायी बल्कि इनकी गलत नीतियों, प्रताड़ना और उगाही से कानपुर, लखनऊ समेत प्रदेश के बड़े व्यवसायी अपना कारोबार बंद कर बाहर जा रहे है। कारोबार बाहर जाने से उप्र में बेरोजगारी और बढ़ेगी। इस सरकार में प्रदेश में एक भी विकास का ऐसा कार्य नहीं किया जिसे वह जनता के बीच बता सके।''

जम्मू-कश्मीर में अब कश्मीरी पंडितों के प्रति कोई नकारात्मक रवैया नहीं: रूबल नागी

श्रीनगर/भाषा। राष्ट्रीय अल्पसंख्यक आयोग (एनसीएम) के सामुदायिक नेताओं की समिति की सदस्य रूबल नागी ने बृहस्पतिवार को कहा कि विस्थापित कश्मीरी पंडितों को घाटी में लौटने के बारे में निर्णय लेना होगा, क्योंकि कश्मीर के लोगों में उनके प्रति कोई नकारात्मक रवैया नहीं है।

कश्मीर घाटी के विभिन्न क्षेत्रों की पांच दिवसीय यात्रा के बाद यहां संवाददाता सम्मेलन में नागी ने कहा, ''मुझे नहीं लगता कि आज कश्मीरी लोगों में कश्मीरी पंडितों का स्वागत न करने को लेकर कोई नकारात्मक रवैया है। उनकी वापसी के लिए कुछ कदम उठाए गए हैं और अब निर्णय उन्हें लेना है। उन्हें यह निर्णय करना है कि वे यहां आना चाहते हैं या नहीं।''

उन्होंने कहा कि जहां तक कश्मीरी पंडितों की सुरक्षा का सवाल है, ''घाटी में सब कुछ बहुत शांतिपूर्ण और अच्छा है।'' जब उनसे पूछा गया कि कश्मीरी पंडितों के घाटी में लौटने की स्थिति में उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए एनसीएम ने क्या कदम उठाए हैं, उन्होंने कहा, ''हमें सकारात्मक दिशा में आगे बढ़ना चाहिए।''

उन्होंने कहा, ''मैं तो यही कहूंगा कि जो हो गया, उसे भूल जाना चाहिए और भविष्य में क्या होगा, इस पर ध्यान देना चाहिए। आज हम कोई कट्टर देश नहीं हैं, क्योंकि भारत में हिंदू, मुस्लिम, सिख, ईसाई, बौद्ध और जैन सभी मिलजुल कर रहते हैं।'' उन्होंने कहा, ''आज भारत समृद्ध हो रहा है, हमारी अर्थव्यवस्था तेजी से आगे बढ़ रही है, हम सड़कें और पुल बना रहे हैं। हमने महाराष्ट्र में समुद्र में विशाल पुल और अंडरपास बनाए हैं। हमें यह देखना होगा कि हम सामूहिक रूप से अपने देश को कैसे आगे ले जा सकते हैं।''

कांग्रेस ने नेताजी और अंबेडकर के साथ अन्याय किया : मोहन यादव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भोपाल/भाषा। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने बृहस्पतिवार को कांग्रेस पर नेताजी सुभाष चंद्र बोस और बाबासाहेब अंबेडकर के योगदान की अनदेखी करने का आरोप लगाया।

उन्होंने कांग्रेस की 27 जनवरी से शुरू होने वाली 'जय बापू, जय भीम, जय संविधान' यात्रा का जिक्र करते हुए कहा कि बाबासाहेब की अनदेखी करने वाली पार्टी उनके जन्मस्थान महू से एक यात्रा निकालना चाहती है। वह भोपाल के सबसे लंबे फ्लाईओवर का उद्घाटन करने के बाद लोगों को संबोधित कर रहे थे। 153 करोड़ रुपए की लागत से बने 2534 मीटर लंबे इस फ्लाईओवर को डॉ भीमराव अंबेडकर सेतु नाम दिया गया है। नेताजी की जयंती पर उन्हें श्रद्धांजलि देते हुए यादव ने कहा कि सुभाष चंद्र बोस ने अंग्रेजों के समय भारतीय सिविल सेवा परीक्षा जैसी कठिन परीक्षा को उत्तीर्ण किया था लेकिन कोई पद लेने के बजाय स्वतंत्रता संग्राम में भाग लेने का फैसला किया। यादव ने कहा, ''लेकिन कांग्रेस ने नेताजी जैसे अच्छे नेताओं को परेशान करना ही बेहतर समझा। वे पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष बने लेकिन अंततः उन्हें इस्तीफा देना पड़ा। कांग्रेस ने बाबासाहेब अंबेडकर के साथ भी अन्याय किया। अब पाखंडियों की तरह कांग्रेस महू से यात्रा निकाल रही है।'' उन्होंने कहा, ''अंबेडकर ने अनुच्छेद 370 (जम्मू कश्मीर को विशेष दर्जे देने वाला अनुच्छेद) का विरोध किया था लेकिन प्रथम प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू ने इसे लागू किया। बाबासाहेब अंबेडकर को उनके जीवित रहते हुए ना तो अपेक्षित विभाग दिए गए, ना ही कोई सम्मान दिया गया। कांग्रेस को पहले अपने पापों का हिसाब देना चाहिए।''

बिहार में सौ वर्ष से अधिक उम्र के 41 हजार व 120 वर्ष से अधिक आयु के 143 मतदाता

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पटना/भाषा। बिहार में कुल मतदाताओं की संख्या 7.80 करोड़ से ज्यादा है, जिनमें से 41,000 मतदाता सौ वर्ष से अधिक आयु के हैं। अहम बात यह है कि इनमें भी 120 वर्ष से अधिक आयु के 143 मतदाता हैं। निर्वाचन आयोग के नवीनतम आंकड़ों से यह जानकारी मिली है।

आंकड़ों के मुताबिक, कुल मतदाताओं में 30 वर्ष से कम आयु वाले लगभग 21 प्रतिशत वोटर हैं, जबकि 80 वर्ष से अधिक आयु वाले मतदाता 2.06 प्रतिशत हैं। बिहार के मुख्य निर्वाचन अधिकारी कार्यालय द्वारा बृहस्पतिवार को साझा किए गए आंकड़ों अनुसार राज्य में 80 से 120 वर्ष और उससे अधिक आयु वर्ग के 12,822,96 मतदाता हैं।

राज्य में 100 वर्ष से अधिक आयु के कुल मतदाताओं की संख्या 40,601 (पुरुष-17,445, महिला-23,153 और तीन तृतीय लिंगी) है, जबकि 110 वर्ष से अधिक आयु के मतदाताओं की संख्या 247 (पुरुष-120 और महिला-127) है।

आंकड़ों के अनुसार, राज्य में 120 वर्ष से अधिक आयु के कुल मतदाताओं की संख्या 143 (पुरुष- 74 और महिला-69) है। बिहार में वर्तमान में पंजीकृत मतदाताओं की कुल संख्या 7,80,22,933 (पुरुष-4,07,63,352 और महिला-3,72,57,477) है।

आंकड़ों के मुताबिक, 80 वर्ष या उससे अधिक आयु के मतदाताओं की अधिकतम संख्या वाला जिला वैशाली है, जहां ऐसे मतदाताओं की संख्या 82,758 है।

इसके बाद नालंदा में 67,161, लखीसराय में 21,118, पटना में 13,514, सीतामढ़ी में 69,558, बांका में 39,436, नवादा में 43,511, कैमूर में 27,711 और शिवहर में 6,760 ऐसे मतदाता हैं।

विधानसभा की कार्यवाही में विपक्ष का व्यवधान बर्दाश्त नहीं किया जाएगा: अध्यक्ष

भुवनेश्वर/भाषा। ओडिशा विधानसभा की अध्यक्ष सुरमा पाढ़ी ने अगले महीने शुरू होने वाले बजट सत्र से पहले बृहस्पतिवार को कहा कि विपक्षी सदस्यों के लिए अपनी मांगें रखते समय अनुशासन जरूरी है।

हाल ही में पटना में अखिल भारतीय पीठासीन अधिकारियों के 85वें सम्मेलन में शामिल हुईं पाढ़ी ने कहा कि विधानसभा में अनुशासन बनाए रखने की जरूरत है। पाढ़ी ने एक समारोह से इतर संवाददाताओं को संबोधित करते हुए कहा, सदन में विपक्षी सदस्यों के रचनात्मक सुझावों का स्वागत किया जाएगा, लेकिन व्यवधान या रुकावटें बर्दाश्त नहीं की जाएंगी।

उन्होंने कहा कि विपक्षी दलों को सत्र के दौरान रचनात्मक भूमिका निभानी चाहिए और सुझाव देने चाहिए हालांकि, सदन किसी भी तरह के हंगामे या बाधा को बर्दाश्त नहीं करेगा।

ओडिशा की 17वीं विधानसभा का तीसरा सत्र 13 फरवरी से शुरू होगा और पांच अप्रैल को समाप्त होगा। मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी 17 फरवरी को 2025-26 का बजट पेश करेंगे। माझी वित्त विभाग का प्रभार भी संभाल रहे हैं।

ऑटोग्राफ लेने वाला नहीं, ऑटोग्राफ देने वाला बनने की कोशिश करो: कपिल की स्कूली बच्चों को सलाह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गुरुग्राम/भाषा। भारत के पूर्व महान हरफनमौला कपिल देव ने बृहस्पतिवार को यहां एक निजी स्कूल में बच्चों के साथ बातचीत में उन्हें ऑटोग्राफ (हस्ताक्षर) मांगने वाले बनने से बचने और ऑटोग्राफ देने वाले बनने पर ध्यान केंद्रित करने की सलाह दी।

भारत के 1983 विश्व कप विजेता कप्तान ने इस दौरान छात्रों के साथ मैदान पर समय भी बिताया। उन्होंने बल्लेबाजी में हाथ आजमाते हुए अपने अंदाज में स्क्वायर कट भी लगाये। इस 66 साल के पूर्व दिग्गज ने छात्रों को दिये अपने संदेश में कहा, '' छात्रों के व्यक्तित्व के विकास के लिए खेल एक जरूरी साधन है लेकिन उसे पढ़ाई की कीमत पर तवज्जो नहीं मिलनी चाहिये।'' उन्होंने कहा, ''आपको कभी मेरा ऑटोग्राफ नहीं मांगना चाहिए बल्कि खुद को इतना अच्छा बनाना चाहिए कि एक दिन आप खुद उस पर हस्ताक्षर कर सकें।'' कपिल की बात पर छात्रों ने खूब तालियां बजाई। कपिल ने पत्रकारों को बताया कि वह उत्साही छात्रों से आश्चर्यचकित थे।

जडेजा के पांच विकेट से सौराष्ट्र ने दिल्ली पर कसा शिकंजा, पंत ने किया निराश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

राजकोट/भाषा। भारतीय हरफनमौला रविंद्र जडेजा (पांच विकेट और 38 रन) के शानदार खेल सौराष्ट्र ने रणजी ट्रॉफी ग्रुप डी मैच में बृहस्पतिवार को शुरुआती दिन दिल्ली की पहली पारी को 188 रन पर समेटने के बाद पांच विकेट पर 163 रन बनाकर बढ़त लेने की ओर कदम बढ़ा दिये।

दिल्ली की रणजी टीम में वापसी कर रहे भारतीय विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत 10 गेंद की पारी में सिर्फ एक रन ही बना सके। दिल्ली ने कप्तान आयुष बडोनी (60) और यश ढुल (44) की उपयोगी पारियों खेली लेकिन दोनों अच्छी शुरुआत को बड़ी पारी में बदलने में नाकाम रहे। रविंद्र जडेजा ने 66 रन देकर पांच विकेट चटकाये और उन्हें को टीम के एक अन्य बायें हाथ के स्पिनर धर्मेंद्र सिंह जडेजा का अच्छा साथ मिला जिन्होंने पंत सहित तीन बल्लेबाजों को पवेलियन की राह दिखायी। सौराष्ट्र ने दिन का खेल खत्म होने तक पांच विकेट पर 163 रन बना लिये। एक छोर से विकेटों के पतन के बीच सलामी बल्लेबाज हार्विक देसाई 120 गेंद में आठ चौके की मदद से 93 रन बनाकर क्रीज पर मौजूद है। उन्होंने रविंद्र जडेजा के साथ चौथे विकेट के लिए 82 रन की साझेदारी की। रविंद्र जडेजा ने 36 गेंद की पारी में दो चौके और तीन छक्के जड़े। सौराष्ट्र दिल्ली से अभी 25 रन पीछे हैं और उसके पांच विकेट बचे हुए है। जमशेदपुर में खेले जा रहे मैच में ऑफ स्पिनर उत्कर्ष सिंह के पांच विकेट से झारखंड ने छत्तीसगढ़ की पहली पारी को 230 रन पर समेट दिया। उत्कर्ष ने 19.3 ओवर में 50 रन देकर पांच विकेट चटकाये। छत्तीसगढ़ के सलामी बल्लेबाज अनुज तिवारी नाबाद रहते हुए एक रन से शतक पूरा करने से चूक गये। तिवारी ने 225 गेंद की नाबाद पारी में नौ चौके और दो छक्के लगाकर टीम के स्कोर को 200 के पार पहुंचाने में अहम योगदान दिया।

एमसीए ने क्रिकेट गेंद से सबसे बड़ा वाक्य लिखने का 'गिनीज वर्ल्ड' रिकॉर्ड बनाया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। मुंबई क्रिकेट संघ (एमसीए) ने बृहस्पतिवार को वानखेड़े स्टेडियम में 14,505 लाल और सफेद गेंदों का इस्तेमाल करके क्रिकेट बॉल से सबसे बड़ा वाक्य बनाने का 'गिनीज वर्ल्ड' रिकॉर्ड हासिल किया।

भारत के प्रतिष्ठित क्रिकेट स्थलों में से एक वानखेड़े स्टेडियम के 50 साल पूरे होने के मौके पर एमसीए के भव्य समारोह के दौरान यह उपलब्धि हासिल की गई जिसमें क्रिकेट बॉल से सबसे बड़ा वाक्य 'फिफ्टी इयर्स ऑफ वानखेड़े स्टेडियम' बनाकर 'गिनीज वर्ल्ड' रिकॉर्ड हासिल किया गया। यह स्टेडियम भारतीय क्रिकेट के कुछ सुपरस्टार तैयार करने का स्थल भी रहा है, यहीं भारत ने 2011 में महान क्रिकेटर एमएस धोनी के नेतृत्व में अपना दूसरा 50 ओवर का विश्व कप खिताब जीता था। एमसीए के अध्यक्ष अजिंक्य नाइक ने कहा, ''हमें यह घोषणा करते हुए खुशी हो रही है कि मुंबई क्रिकेट संघ ने वानखेड़े स्टेडियम में 14,505 लाल और सफेद क्रिकेट गेंदों का उपयोग करके क्रिकेट बॉल से सबसे बड़ा वाक्य 'फिफ्टी इयर्स ऑफ वानखेड़े स्टेडियम' बनाकर 'गिनीज वर्ल्ड' रिकॉर्ड हासिल किया है। वानखेड़े में पहले टेस्ट मैच की 50वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में यह अविश्वसनीय उपलब्धि स्वर्गीय एकनाथ सोलकर और मुंबई के अन्य पूर्व खिलाड़ियों की स्मृति को समर्पित है जिन्होंने मुंबई क्रिकेट की सेवा की है और जो अब हमारे बीच नहीं हैं।''

सुविचार

कोई भी व्यक्ति हमारा मित्र या शत्रु बनकर संसार में नहीं आता, हमारा व्यवहार और शब्द ही लोगों को मित्र और शत्रु बनाता है।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

नेताजी के सपनों का भारत बनाएं

महान स्वतंत्रता सेनानी नेताजी सुभाष चंद्र बोस की जयंती पर कटक में आयोजित 'पराक्रम दिवस कार्यक्रम' को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जो संदेश दिया, वह वर्तमान में अत्यंत प्रासंगिक है। नेताजी सुभाष भारत मां के महान सपूत थे। समृद्ध परिवार से होने और आईसीएस परीक्षा पास करने के बावजूद उन्होंने वह रास्ता चुना, जिसमें घोर अनिश्चितता और संकट ही संकट थे। उन्होंने अपने सभी सुख और आराम इसलिए छोड़े, क्योंकि वे अपने देशवासियों को अंग्रेजी शिकंजे से आज़ाद करवाना चाहते थे, उनका जीवन सुखमय बनाना चाहते थे। नेताजी की जीवनी पढ़कर, उनके भाषण सुनकर रोंगटे खड़े हो जाते हैं। ऐसे महापुरुष कई सदियों में एक बार जन्म लेते हैं। हमें उनसे प्रेरणा लेनी चाहिए, उन्हें अपना आदर्श मानना चाहिए। किशोरों और युवाओं को तो नेताजी की जीवनी जरूर पढ़नी चाहिए। दुर्भाग्य की बात है कि आज कई किशोर और युवा उन कथित सेलिब्रिटी की नकल करने में ही बड़प्पन समझते हैं, जो नशा, जुआ, सट्टा, और हानिकारक चीजों का प्रचार-प्रसार करने से नहीं हिचकते। नेताजी बचपन से ही अत्यंत साहसी थे। उनके आदर्श स्वामी विवेकानंद, रामकृष्ण परमहंस और महर्षि अरविंद जैसे दिव्य संत थे। स्कूल-कॉलेज की उम्र में, जब ज्यादातर लोगों को मेले-ठेले और मौज-मस्ती से जुड़े स्थान बहुत भाते हैं, तब नेताजी सत्य की खोज में निकल पड़े थे। उन्होंने गुलामी की बेड़ियों और कुरीतियों को मानने से इन्कार कर दिया था। नेताजी के कई भाषण ई-बुक के रूप में उपलब्ध हैं। उन्हें पढ़ें तो पता चलता है कि वे कैसा भारत बनाना चाहते थे! नेताजी ने एक ऐसे आज़ाद भारत का सपना देखा था, जो सुखी, समृद्ध, सुरक्षित और आत्मनिर्भर हो। वे ऐसा मजबूत भारत बनाना चाहते थे, जिसकी ओर दुश्मन ताकतें देखने की जुर्रत न कर सकें।

नेताजी आज़ादी की लड़ाई के सिलसिले में कई बार जेल गए थे। उन्होंने भारतवासियों पर अंग्रेजी हुकूमत की ज्यादती को बहुत करीब से देखा था। क्या हम ऐसा भारत बना पाए हैं, जहां किसी पर जुल्म न हो, ज्यादती न हो? क्या हम भ्रष्टाचार से मुक्त समाज की स्थापना कर पाए हैं? नेताजी 'स्वदेशी' के बहुत बड़े समर्थक थे। उन्होंने भारतीय उद्योगों को मजबूत बनाने पर जोर दिया था। वे ग्रामोत्थान के पैरोकार थे। क्या हम ऐसी व्यवस्था का निर्माण कर पाए, जिससे हमारे उद्योग मजबूत हों। जब अमेरिका में भारतीय मूल का व्यक्ति किसी कंपनी का सीईओ बन जाता है तो यहां लोग खुशी मनाते हैं, मनानी भी चाहिए, लेकिन क्या वजह है कि हम अपने देश में वैसी कंपनियां नहीं बना पाते, अपनी युवा प्रतिभाओं के ज्ञान और योग्यता का उपयोग अपने देश के लिए नहीं कर पाते? क्या वजह है कि हमारे देश के युवा यहां रहकर एलन मस्क, मार्क जुकरबर्ग, बिल गेट्स, स्टीव जॉब्स और लैरी पेज जैसे उद्यमी नहीं बन पाते? बेशक हमारे पास प्रतिभाशाली युवा बहुत हैं, लेकिन उनके आगे बढ़ने के लिए वैसी संभावनाएं क्यों नहीं हैं, जैसी अमेरिका में हैं? क्या सरकारें इस ओर ध्यान देंगी? नेताजी स्वयं बहुत अनुशासित थे। वे राष्ट्रनिर्माण के लिए अनुशासन को बहुत जरूरी मानते थे। क्या हम अपने सामाजिक जीवन में अनुशासन का वह स्तर प्राप्त कर पाए हैं, जिससे एक सुंदर समाज का निर्माण किया जा सके? रास्ते में कचरे के ढेर लगाना, सार्वजनिक स्थानों पर थूकना, कतार तोड़कर आगे बढ़ जाना, जल्दबाजी करते हुए भगदड़ मचाना ... जैसे नजारे आज भी बहुत आसानी से देखने को मिल जाते हैं। कई बार इनके कारण हादसे हो जाते हैं। क्या हम नेताजी से प्रेरणा लेकर ऐसा समाज बनाने का संकल्प लेंगे, जो सबके लिए आदर्श बने? दृढ़ संकल्प ही सिद्धि की ओर लेकर जाता है। ऐसा संकल्प समस्त देशवासियों को लेना चाहिए।

ट्वीटर टॉक

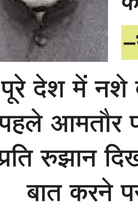

नेताजी एक समृद्ध परिवार में जन्में। उन्होंने सिविल सर्विसेज की परीक्षा पास की। वो चाहते तो अंग्रेजी शासन में एक वरिष्ठ अधिकारी बनकर आराम की जिंदगी जीते। लेकिन उन्होंने आजादी के लिए कष्टों को चुना, चुनौतियों को चुना, देश-विदेश में भटकना पसंद किया।

-नरेन्द्र मोदी

पूरे देश में नशे की समस्या लगातार बढ़ती जा रही है। पहले आमतौर पर कॉलेज में जाने पर बच्चों का नशे के प्रति रुझान दिख सकता था परन्तु अब स्कूली बच्चों से बात करने पर पता चलता है कि अब स्कूल भी इस समस्या से अछूते नहीं हैं।

-अशोक गहलोत

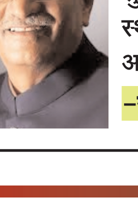

राष्ट्र के रक्त में स्वतंत्रता का प्रवाह करने वाले सुभाष चंद्र बोस जी की जयंती पराक्रम दिवस पर हर भारतीय को शुभकामनाएँ! उन्होंने सिविल सर्विस परीक्षा में चौथा स्थान प्राप्त कर भी मात्र 23 वर्ष की आयु में आज़ादी की अपनी राह चुनी और आगे आज़ाद हिन्द फ़ौज बनाई।

-गजेन्द्र सिंह शेखावत

प्रेरक प्रसंग

आसक्ति ही अधर्म

शुकदेव ने पिता महर्षि व्यास से शास्त्रों का उच्चतम ज्ञान प्राप्त करने की इच्छा व्यक्त की, जिसके बाद व्यास जी ने उन्हें शास्त्रज्ञ राजा जनक के पास जाने को कहा। राजमहल पहुंचने पर शुकदेव को यह शंका हुई कि ऐश्वर्य और सांसारिक सुखों में रहने वाले राजा जनक उन्हें क्या आध्यात्मिक ज्ञान देंगे! शुकदेव निराश होकर लौटने लगे थे कि तभी राजा जनक ने उनकी शंका को समझकर कहा कि वे आध्यात्मिक चर्चाएं दरबार से बाहर एक अन्य भवन में करते हैं। वहां पहुंचने पर, शुकदेव ने राजा जनक से आध्यात्मिक चर्चा शुरू की, तभी महल में भीषण आग की खबर आई। राजा जनक ने आग से संपत्ति की हानि की चिंता किए बिना अपनी आध्यात्मिक चर्चा जारी रखी। जब आग फैलने लगी तो शुकदेव अपनी पुस्तकों को लेकर बाहर जाने लगे, लेकिन राजा जनक शांतिपूर्वक चिंतन-मनन करते रहे। शुकदेव को चिन्तित देखकर राजा जनक ने कहा, 'हे वत्स! दुख का मूल कारण संपत्ति या मोह नहीं, बल्कि संपत्ति में आसक्ति है। असल में, संपत्ति में अत्यधिक आसक्ति ही अधर्म है।' अब शुकदेव को बोध हुआ कि महर्षि व्यास ने सच्चे अर्थों में विदेह होने पर ही उन्हें राजा जनक के पास भेजा।

सामयिक

भागवत के उस वक्तव्य पर विवाद जो उन्होंने दिया ही नहीं

अवधेश कुमार
मो.: 981 1027208

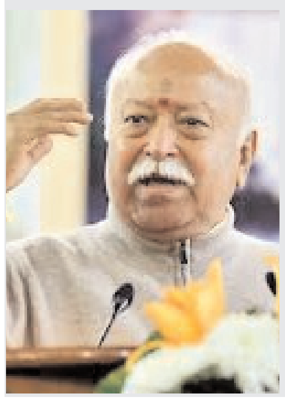

राहुल गांधी विपक्ष के नेता हैं और उन्हें पद और गरिमा का भान होना चाहिए। वस्तुतः डॉक्टर भागवत का भाषण नहीं होता तब भी किसी बहाने उन्हें यह बोलना था। वे परंपरागत माओवादी , नक्सलवादी या आरंभिक कम्युनिस्टों की तरह की भाषा लगातार बोल रहे हैं। ये लोगों को भड़काकर विद्रोह ने के लिए यही बोलते थे कि धार्मिक कट्टरपंथियों, फासिस्ट शक्तियों का विस्तार हो रहा है, सत्ता पर इनका कब्जा है, पूंजीपति उद्योगपति सारे शोषण के आधार पर सत्ता का लाभ लेते हुए धन इकट्ठा कर रहे हैं तो राज्य व्यवस्था को उखाड़ फेंकना है। यही बात राहुल गांधी जी बोल रहे हैं।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक डॉ मोहन भागवत द्वारा इंदौर के एक कार्यक्रम में स्वतंत्रता दिवस और अयोध्या में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा पर दिए गए वक्तव्य से देश में राजनीति, गैर राजनीतिक एक्टिविज्म चारों ओर बवंडर मचा हुआ है। विरोधी आरोप लगा रहे हैं कि संघ 15 अगस्त, 1947 को स्वतंत्रता दिवस मानता ही नहीं और भागवत ने 22 जनवरी , 2024 यानी पौष शुक्ल द्वादशी से स्वतंत्रता दिवस मानने और मनाने की अपील की है। कोई 15 अगस्त 1947 को स्वतंत्रता दिवस न माने तो उसका विरोध स्वाभाविक होगा। उसके बाद राहुल गांधी का बयान सबसे ज्यादा चर्चा और बहस में है कि मोहन भागवत ने जो कहा वह संघ का विचार है और हम उसी के विरुद्ध संघर्ष कर रहे हैं। उन्होंने अपने केंद्रीय कार्यालय के उद्घाटन के अवसर पर यहां तक कह दिया कि यह मत मानिए कि हमारा संघर्ष संघ और भाजपा जैसे किसी राजनीतिक संगठन से है , हमें पूरे इंडियन स्टेट यानी भारतीय राज्य से संघर्ष करना है। संपूर्ण भारतीय राज्य के विरुद्ध संघर्ष भी लोकसभा में विपक्ष के नेता के द्वारा, जिसने संविधान के तहत शपथ लिया हो सामान्य तौर पर न स्वीकार हो सकता है न गले उतर सकता है। राहुल गांधी के वक्तव्य पर आगे विचार करेंगे, पहले यह देखें कि डॉ भागवत और संघ , भाजपा सहित पूरे विचार परिवार के विरुद्ध चल रहे अभियान का सच क्या है? भागवत के इंदौर के भाषण के वीडियो उपलब्ध हैं और कोई भी सुन सकता है। वे बोल रहे हैं- 'भारत स्वतंत्र हुआ 15 अगस्त को। राजनीतिक स्वतंत्रता आपको मिल गई। हमारा भाग्य निर्धारण करना हमारे हाथ में है। हमने एक संविधान भी बनाया, एक विशिष्ट दृष्टि, जो भारत के अपने स्व से निकलती है, उसमें से वह संविधान दिग्दर्शित हुआ, लेकिन उसके जो भाव हैं, उसके अनुसार चला नहीं और इसलिए, हो गए हैं स्वप्न सब साकार कैसे मान लें, टल गया सर से व्यथा का भार कैसे मान लें।'साफ है जो भाषण सुनेगा और निष्पक्षता से विचार करेगा वह वर्तमान विरोधों विवादों से सहमत नहीं हो सकता। हमारे देश की बौद्धिक , एक्टिविज्म और राजनीति की दुनिया ने लंबे समय से दुष्प्रचार कर रखा है कि संघ स्वतंत्रता दिवस को मानता ही नहीं , तिरंगा झंडा को स्वीकार नहीं करता और संविधान को खारिज करता है। इसलिए किसी भी वक्तव्य को उसके सच और संदर्भ से काटकर दो-चार शब्दों के आधार पर आलोचना और हमला स्वभाव बन गया है। जरा बताइए, इन पंक्तियों में कहां है कि हमें 15 अगस्त, 1947 को स्वतंत्रता मिली ही नहीं? दूसरे, इसमें भारतीय संविधान को खारिज करने का एक शब्द है क्या? वो कह रहे हैं कि भारतीय संविधान एक विशिष्ट दृष्टि स्व से निकला। क्या यह सच नहीं है कि हमने स्वयं संविधान की भावनाओं के अनुरूप न देश के लोगों के अंदर भारत के संस्कार को लेकर जागृति पैदा की न उसके अनुसार व्यवस्थाओं की रचना की? महात्मा गांधी ने 15 अगस्त , 1947 को कोई वक्तव्य जारी नहीं किया। उन्होंने अपने साथियों से कहा कि क्या ऐसे ही स्वराज के लिए हमने संघर्ष किया था? उन्होंने स्पष्ट लिखा कि हमें अंग्रेजों से राजनीतिक स्वतंत्रता मिल गई किंतु सामाजिक, आर्थिक, सांस्कृतिक स्वतंत्रता के लिए पहले से ज्यादा लंबे संघर्ष और परिश्रम की आवश्यकता है। हम आप गांधी जी को स्वतंत्रता दिवस विरोधी घोषित कर देंगे? उन्होंने न जाने कितनी बार बोला और लिखा कि हम अंग्रेजों से केवल राजनीतिक स्वतंत्रता के लिए संघर्ष नहीं कर रहे हैं। भारत ही एकमात्र देश है जो दुनिया को दिशा दे सकता है।भारत का ध्येय अन्य देशों से भिन्न है। धर्म वह क्षेत्र है जिसमें भारत दुनिया में सबसे बड़ा हो सकता है। यह सच है कि भारत को समझने वाले ज्यादातर मनीषियों ने ऐसे भारत की कल्पना की जो अपने धर्म , अध्यात्म, संस्कृति और सभ्यता के आधार पर ऐसा महान और आदर्श देश बनेगा जिससे विश्व सीखेगा कि सद्भाव, संयम , त्याग और साहचर्य के आधार पर कैसे कोई राष्ट्र महान बन सकता है। भारत इसी चरित्र को लेकर खड़ा होगा और संपूर्ण विश्व उसका अनुसरण करेगा। विश्व गुरु कहने के पीछे भाव भी यही है। किंतु जब आप हम क्या हैं और क्या होना है यही नहीं समझेंगे तो राष्ट्र का निश्चित लक्ष्य ओझल हो जाता है।

इस संदर्भ में मोहन भागवत की अगली पंक्ति भी देखनी चाहिए।' ऐसी परीस्थिति समाज की, क्योंकि जो आवश्यक स्वतंत्रता में स्व का अधिष्ठान होता है, वह लिखित रूप में संविधान से पाया है, लेकिन हमने अपने मन को उसकी पक्की नींव पर आरूढ़ नहीं किया है। हमारा स्व क्या है? राम, कृष्ण , शिव, यह क्या केवल देवी - देवता हैं, या केवल विशिष्ट उनकी पूजा करने वालों के हैं? ऐसा नहीं है। राम उत्तर से दक्षिण भारत को जोड़ते हैं।'उन्होंने कहीं नहीं कहा कि पौष शुक्ल द्वादशी को स्वतंत्रता दिवस मनाना है। इसे प्रतिष्ठा द्वादशी के नाम से संपूर्ण देश से मनाने की अपील की। जिन्हें भारतीय पंचांग व तिथियों की गणना, कैलेंडर तथा एकादशी के महत्व का ज्ञान नहीं उनके लिए समझना कठिन होगा। हमारे यहां वैकुंठ एकादशी, बैकुंठ द्वादशी आदि यूं ही स्थापित नहीं हुए। यह भारत का स्व है। भागवत ने कहा कि हमें स्वतंत्रता थी लेकिन वह प्रतिष्ठित नहीं हुई थी। रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के साथ वह प्रतिष्ठित हुई इसलिए उसे प्रतिष्ठा द्वादशी के रूप में मनाया जाना चाहिए।

थोड़ा दुष्प्रचारों से अलग होकर सोचिए कि आखिर आक्रमणकारियों ने हमारे धर्म स्थलों हमले और उनको ध्वस्त क्यों किया? इसीलिए कि हमारा स्व मर जाए, उन स्थलों, प्रतिस्थापित प्रतिमाओं या निराकार स्वरूपों को लेकर हमारे अंदर का आस्था विश्वास नष्ट हो, उनके प्रति हम अपमानित महसूस करें? आक्रमण , ध्वंस, जबरन निर्माण और दासत्व के समानांतर प्रतिकार व मुक्ति के संघर्ष सतत चलते रहे। उन सबके लिए संघर्ष करने वाले बलिदानियों को हम क्या मानते हैं? गुरु गोविंद सिंह , छत्रपति शिवाजी, लाचित बोड़फुकन आदि हमारे लिए स्वतंत्रता के महान सेनानी थे या नहीं? वस्तुत: स्वतंत्रता के लिए लंबा संघर्ष हुआ जिनका मूल लक्ष्य स्व की प्रतिस्थापना थी। इस संदर्भ में अयोध्या के श्रीराम जन्मभूमि मंदिर मुक्ति का आंदोलन किसी के विरोध के लिए नहीं, स्व जागृत करने और पाने के लिए था। राजनीतिक नेतृत्व इस रूप में से लेता तो आंदोलन इतना लंबा चलता ही नहीं। ध्यान रखिए, भागवत उस कार्यक्रम में बोल रहे थे जहां श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र न्यास के महासचिव चंपत राय को राष्ट्रीय देवी अहिल्या पुरस्कार प्रदान किया गया। उन्होंने कहा कि यह दिन अयोध्या में राम मंदिर के पुनर्निर्माण और भारतीय संस्कृति की पुनर्स्थापना का प्रतीक बन गया है। जिनके लिए अयोध्या आंदोलन ही गलत हो वे इस भाव को नहीं समझ सकते।

तब भी मान लीजिए कि किसी का डॉ भागवत या संघ की सोच से मतभेद होगा। किंतु जो उन्होंने कहा बहस उस पर होगी या जो कहा नहीं उस पर? क्या इस तरह का झूठ फैलाना और लोगों के अंदर गुस्सा, उत्तेजना, हिंसा का भाव पैदा करना संविधान की प्रतिष्ठा है? क्या भारतीय स्वतंत्रता के पीछे ऐसे ही राजनीतिक चरित्र और संस्कार की भावना थी? राहुल गांधी विपक्ष के नेता हैं और उन्हें पद और गरिमा का भान होना चाहिए। वस्तुत: डॉक्टर भागवत का भाषण नहीं होता तब भी किसी बहाने उन्हें यह बोलना था। वे परंपरागत माओवादी , नक्सलवादी या आरंभिक कम्युनिस्टों की तरह की भाषा लगातार बोल रहे हैं। ये लोगों को भड़काकर विद्रोह ने के लिए यही बोलते थे कि धार्मिक कट्टरपंथियों, फासिस्ट शक्तियों का विस्तार हो रहा है, सत्ता पर इनका कब्जा है, पूंजीपति उद्योगपति सारे शोषण के आधार पर सत्ता का लाभ लेते हुए धन इकट्ठा कर रहे हैं तो राज्य व्यवस्था को उखाड़ फेंकना है। यही बात राहुल गांधी जी बोल रहे हैं। 2019 लोकसभा चुनाव में पराजय के बाद धीरे-धीरे उनका इस रूप में रूपांतरण हुआ है और भारत व विश्व के अल्ट्रा वामपंथी अल्ट्रा सोशलिस्ट आदि उनके रणनीतिकार हैं और उनकी भाषा उसी अनुरूप है।

चूंकि लोकसभा चुनाव से मुस्लिम मतों का रुझान कांग्रेस की ओर दीखा है और इसे बनाए रखने पर पूरा फोकस है। लगता है जितना संघ का विरोध करेंगे, आक्रामक होंगे हमारे पक्ष में वोटो का ध्रुवीकरण होगा। वास्तव में डा भागवत ने तो एक संतुलित विचार दिया जबकि राहुल गांधी की बात हिंसा और उत्तेजना पैदा करने वाली है। कांग्रेस के परंपरागत नेताओं को भी विचार करना चाहिए कि क्या इस सोच से उनका जन समर्थन बढ़ेगा? क्या यह उन मूल्यों के के विरुद्ध आघात नहीं होगा जिनके लिए स्वतंत्रता संघर्ष हुआ? क्या यह अंततः भारतीय मानस के हित में होगा?

नजरिया

पर्यटन की अनंत संभावनाओं का देश है भारत

ललित गर्ग
मो.: 9811051133

जीवन में पर्यटन के सर्वाधिक महत्व के कारण ही हर साल 25 जनवरी को भारतीय पर्यटन दिवस मनाया जाता है। भारत की विविधता और बहुसंस्कृतिवाद के कारण, यह दिन देश की अर्थव्यवस्था पर सकारात्मक प्रभाव, जीवन में खुशियां एवं मुस्कान देने वाले पर्यटन के महत्व को उजागर करने के लिए है। इस दिवस की शुरुआत 1948 के बाद आर्थिक विकास और सांस्कृतिक कूटनीति को बेहतर बनाने के लिए पर्यटन क्षेत्र को बढ़ावा देने की पहल से हुई। अतुल्य भारत जैसे आयोजनों को बढ़ावा दिया गया है ताकि वैश्विक स्तर पर भारतीय विरासत, पर्यटन सुंदरता एवं समृद्धता को प्रदर्शित किया जा सके। बदलते समय के साथ राष्ट्रीय पर्यटन दिवस नई पहलों, नीतिगत सुधारों और क्षेत्र की उपलब्धियों का जश्न मनाने पर ध्यान केंद्रित करने वाले दिन के रूप में विकसित हुआ है। राष्ट्रीय पर्यटन दिवस 2025 की थीम 'समावेशी विकास के लिए पर्यटन' है, जो आर्थिक विकास को प्रेरित करने में पर्यटन के महत्व पर प्रकाश डालता है, साथ ही यह सुनिश्चित करता है कि इसका लाभ भारत में समाज के सभी वर्गों तक पहुंचे। इसका उद्देश्य रोजगार सृजन और पर्यटन परम्पराओं को बढ़ावा देने, विविध भारतीय सांस्कृतिक विरासत और डिजिटल परिवर्तन को बढ़ावा देकर स्थानीय समुदायों को सशक्त बनाना है। भारत विश्व स्तर पर पांचवां सबसे बड़ा यात्रा और पर्यटन बाजार बनने के लिए तैयार है। भारत में पर्यटन क्षेत्र तेजी से बढ़ रहा है और 2027 तक तीसरा सबसे बड़ा घरेलू बाजार बनने की उम्मीद है। 2023 में, भारत में पर्यटन पर होने वाला खर्च 2019 के 127 बिलियन डॉलर से बढ़कर 174 बिलियन डॉलर तक पहुँच गया। सबसे ज्यादा पर्यटक तमिलनाडु, उत्तर प्रदेश, आंध्र प्रदेश, कर्नाटक और महाराष्ट्र सहित 5 राज्यों में गए, जहाँ कुल मिलाकर 65 प्रतिशत पर्यटक आए। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की दूरदर्शिता से धार्मिक पर्यटन को नये पंख लगे हैं, अयोध्या में बना भगवान श्रीराम का मन्दिर एवं इनदिनों प्रयागराज में आयोजित महाकुंभ ने धार्मिक पर्यटन के नये कीर्तिमान स्थापित किये हैं। धार्मिक पर्यटन आर्थिक उन्नति और सांस्कृतिक आदान-प्रदान में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। धार्मिक पर्यटन की संभावनाओं का अधिकतम लाभ लेने के लिए ऐसी सभी जगहों को बेहतरीन बुनियादी सुविधाओं, सड़क और एयर कनेक्टिविटी, आने वालों की सुरक्षा और सेवा दी जा रही है। धार्मिक पर्यटन से देश की संस्कृति को बढ़ावा मिलता है और लोगों में आस्था बढ़ती है, साथ ही, इससे अर्थव्यवस्था को भी बढ़ावा मिलता है।

उत्तर प्रदेश देश ही नहीं दुनिया का सर्वाधिक महत्वपूर्ण धार्मिक पर्यटन प्रांत है। देश और दुनिया के हर हिंदू के आस्था के केंद्र भगवान श्रीराम की अयोध्या, राधा-श्रीकृष्ण ने जिस ब्रज भूमि पर रास रचाए थे, श्रीकृष्ण ग्वालबालों के साथ जहां खेले-कूदे, गोपियों के माखन चुराए वह मथुरा, बरसाना, नंदगांव, गोवर्धन भी उत्तर प्रदेश में ही है। वनवास के दौरान भगवान श्रीराम ने पत्नी सीता और अनुज लक्ष्मण के साथ जहां सर्वाधिक समय गुजारा था वह चित्रकूट भी उत्तर प्रदेश में है। इसके अलावा भी प्रदेश के हर जिले या यूं कह लें हर विधानसभा क्षेत्र में ऐसे धार्मिक स्थल हैं जहां प्रतिदिन हजारों लोग जाते हैं। विश्व का सबसे बड़ा धार्मिक आयोजन प्रयागराज का महाकुंभ तो इसका चरमोत्कर्ष है। इस चरम के सुखद, सुरक्षित और सफल समापन के लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ खुद कटिबद्ध हैं। अयोध्या सप्तपुरियों जैसी हो गयी है, इसी क्रम में भोलेनाथ की काशी में श्री काशी विश्वनाथ कॉरिडोर के निर्माण के बाद वहां सालाना आने वाले पर्यटकों की संख्या 10 करोड़ के करीब हो गई है।

राष्ट्रीय पर्यटन दिवस का महत्व बेहद सीधा और सरल है - देश में पर्यटन की प्रमुखता को उजागर करना और यह भारत की आर्थिक संभावनाओं को प्रभावित करता है। पर्यटन सिर्फ हमारे जीवन में खुशियों के पलों को वापस लाने में ही मदद नहीं कर रहा है बल्कि यह देश के सामाजिक, सांस्कृतिक, राजनैतिक और आर्थिक विकास में महत्वपूर्ण भूमिका का माध्यम भी बन रहा है। भारत की अर्थव्यवस्था पर्यटन-उद्योग के इर्द-गिर्द घूमती रही है। भारतीय पर्यटन दिवस वैश्विक पर्यटक को बढ़ावा देने के प्रयास हेतु मील के पत्थर के रूप में देखा जाता है एवं इस दिवस को मनाने का उद्देश्य विश्व में भारत की समृद्ध सांस्कृतिक, ऐतिहासिक, धार्मिक एवं सामाजिक विरासत को जीवंतता देना एवं उसके प्रति जन जागरूकता फैलाना है। देश की पुरातात्विक विरासत या सांस्कृतिक धरोहर केवल दार्शनिक, धार्मिक, सांस्कृतिक स्थल के लिए नहीं है बल्कि यह राजस्व प्राप्ति का भी स्रोत है। पर्यटन क्षेत्रों से कई लोगों की रोजी-रोटी भी जुड़ी है। आज भारत जैसे देशों को देखकर ही विश्व के लगभग सभी देशों में पुरानी और ऐतिहासिक इमारतों का संरक्षण, संवर्द्धन किया जाने लगा है।

भारत असंख्य पर्यटन अनुभवों और मोहक स्थलों का देश है। चाहे भव्य स्मारक हों, प्राचीन मंदिर या मकबरे हों, नदी-झरने, प्राकृतिक मनोरम स्थल हो, इसके चमकीले रंगों और समृद्ध सांस्कृतिक विरासत का प्रौद्योगिकी से चलने वाले इसके वर्तमान से अटूट संबंध है। केरल, शिमला, गोवा, आगरा, राजस्थान, मध्य प्रदेश, मथुरा, काशी जैसी जगहें तो अपने विदेशी पर्यटकों के लिए हमेशा चर्चा में रहती हैं। हालही में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अयोध्या एवं काशी की कायाकल्प करके दुनियाभर के पर्यटकों को अपनी ओर आकर्षित किया है। भारत में अपने लोगों के साथ लाखों विदेशी लोग प्रतिवर्ष भारत घूमने आते हैं। भारत में पर्यटन की उपयुक्त क्षमता है। यहां सभी प्रकार के पर्यटकों को चाहे वे साहसिक यात्रा पर हों, सांस्कृतिक यात्रा पर या वह तीर्थयात्रा करने आए हों या खूबसूरत समुद्री-तटों की यात्रा पर निकले हों, सबके लिए खूबसूरत जगहें हैं। दिल्ली, मुंबई, राजस्थान, मध्यप्रदेश, उत्तरप्रदेश, दक्षिण भारत के अनेक राज्यों में तो लोगों को घूमते-घूमते महीना बीत जाते हैं।

भारत अपनी सुंदरता के लिए पूरे विश्व में प्रसिद्ध है। भारत में विभिन्न संप्रदाय-धर्म और जाति के लोग एक साथ मिलकर रहते हैं। अपनी समृद्ध सांस्कृतिक, ऐतिहासिक, प्राकृतिक धरोहर के कारण भारत दुनिया के प्रमुख पर्यटन देशों में शुमार होता है। यहां के हर राज्य की अलौकिक और विलक्षण विशिष्टताएं हैं जो पर्यटकों को अपनी ओर आकर्षित करती हैं। उन पर्यटकों के लिए भारत-यात्रा का विशेष आकर्षण है जो शांत, जादुई, सौंदर्य और रोमांच की तलाश में रहते हैं। इन पर्यटकों के लिये भारत में विपुल यात्रा साहित्य अपनी एक विशेष पहचान और उपयोगिता को लेकर प्रस्तुत होता रहा है। भारतीय पर्यटन दिवस मनाते हुए पुखराज सेठिया की पुस्तक 'आओ घूमे अपना देश' एक सार्थक एवं उपयोगी पुस्तक है, जिसमें उनकी भारत की यात्राओं के दौरान अनुभूत तथ्यों का प्रभावी एवं जीवंत चित्रण किया है। जो अनेक दृष्टियों से महत्वपूर्ण सामग्री एवं मौलिक तथ्यों को पर्यटकों के सम्मुख प्रस्तुत करता है।

यह भारत पल-पल परिवर्तित, नितनूतन, बहुआयामी और इन्द्रजाल की हद तक चमत्कारी यथार्थ से परिपूर्ण है। इस भारत की समग्र विविधताओं, नित नवीनताओं और अंतर्विरोधों से साक्षात्कार करना सचमुच अलौकिक एवं विलक्षण अनुभव है। जिससे इस बहुरूपी भारत को उसके बहुआयामी और निहंग वास्तविक रूप में देखा जा सके और ऊबड़-खाबड़ अनगढ़ता की परतों में छिपी सुंदरता को उद्घाटित किया जा सके। हम भारत को एक गुलदस्ते की भांति अनुभव करते हैं, एक ऐसा गुलदस्ता जिसमें भिन्न-भिन्न प्रकार के पुष्प सुसज्जित हैं। किसी फूल में कश्मीर की लालिमा है तो किसी में कामरूप का जादू। कोई फूल पंजाब की कली संजोए हैं, तो किसी में तमिलनाडु की किसी श्यामा का तरन्नुम। किसी में राजस्थान के बलिदान की गाथाएं है तो किसी में उत्तरप्रदेश की धार्मिकता। महाराष्ट्र, गुजरात, पश्चिम बंगाल और अन्य प्रदेशों में तो विविधता में सांस्कृतिक एकता के दर्शन होते हैं। इसी भांति जैसलमेर में पर्यटन से हटकर वहां संग्रहीत प्राचीन पांडुलिपियों की विशद जानकारी, स्थापत्य कला एवं जैन दर्शनीय स्थलों का अनुभव भी अनूठा है। आज नरेन्द्र मोदी सरकार भारतीय पर्यटन को प्रोत्साहन देने के लिये उल्लेखनीय कार्य कर रही है, जिनमें भारतीय रेल की महत्वपूर्ण भूमिका है, ताकि सैलानी पर्यटन के लिहाज से सुदूर स्थलों की सैर भी आसानी से कर सकते हैं। सिमटती दूरियों के बीच लोग बाहरी दुनिया के बारे में भी जानने के उत्सुक रहते हैं। यही कारण है कि आज भारत में पर्यटन एक फलता फूलता उद्योग बन चुका है।

महत्त्वपूर्ण

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company,6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**, (*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2015-2017 posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंडर एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।– दक्षिण भारत राष्ट्रमत

धर्म की स्वतंत्रता का दिवस मनाया जाएगा 27 को : देवकीनंदन ठाकुर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

महाकुंभ नगर। प्रख्यात कथावाचक देवकीनंदन ठाकुर ने बृहस्पतिवार को कहा कि 27 जनवरी को धर्म की स्वतंत्रता के दिवस के तौर पर मनाया जाएगा और इस दिन धर्म संसद में सनातन बोर्ड के संविधान का प्रारूप प्रस्तुत किया जाएगा। यहां निरंजनी अखाड़े में आयोजित पत्रकार वार्ता में देवकीनंदन ठाकुर ने कहा, हमें हमारी बात को आगे बढ़ाने के लिए सनातन बोर्ड चाहिए। हम सनातन बोर्ड लिए बिना कुंभ से नहीं जाएंगे। उन्होंने बताया कि धर्म संसद में सभी अखाड़ों के प्रतिनिधि, चारों शंकराचार्यों के प्रतिनिधि समेत सनातन से जुड़े सभी लोगों का प्रतिनिधित्व होगा। आगामी 27 जनवरी को यहां के सेक्टर 17 में धर्म संसद का आयोजन किया जा रहा है। पत्रकार वार्ता में मौजूद अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष महंत रवींद्र पुरी ने कहा, आगामी 27 जनवरी को होने वाली धर्म संसद में सभी धर्माचार्यों की उपस्थिति में सनातन बोर्ड के प्रारूप को अंतिम रूप दिया जाएगा और इसकी घोषणा की जाएगी।

जूना अखाड़ा के महामंडलेश्वर स्वामी यतीन्द्रानन्द गिरि ने कहा, सनातन बोर्ड पूरी मानवता की आवश्यकता है क्योंकि आतंक, नफरत और अराजकता का समापन केवल सनातन बोर्ड से ही हो सकता है। निरंजनी अखाड़ा के वरिष्ठ महामंडलेश्वर और उज्जैन के अर्जी वाले हनुमान जी के महंत स्वामी प्रेमानंद पुरी ने कहा, कुछ लोग गंगा की भूमि को वक्फ बोर्ड की बताते हैं। जब कोई हमारी परंपराओं को अपनी बताता है तो हम बता दें कि सनातन तब से है जब से सूर्य का प्रादुर्भाव हुआ है। हमारे देश की अखंडता को बचाए रखने के लिए सनातन बोर्ड अत्यंत आवश्यक है। आनंद अखाड़े के पीठाधीश्वर स्वामी बालंकानंद गिरि महाराज ने कहा कि हर ओर सनातन है और इसे बचाए रखने के लिए सनातन बोर्ड बहुत आवश्यक है।

महाकुम्भ के दौरान संगम में डुबकी लगाने वालों का आंकड़ा 10 करोड़ के पार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

महाकुम्भ नगर। महाकुंभ के अवसर पर मोक्ष की अभिलाषा के साथ देश दुनिया के विभिन्न अंचलों से आकर तीर्थराज प्रयागराज में त्रिवेणी में पवित्र डुबकी लगाने वाले श्रद्धालुओं की संख्या गुरुवार दोपहर तक दस करोड़ के आंकड़े को पार कर चुकी थी। मां गंगा, मां यमुना और अदृश्य मां सरस्वती के पवित्र संगम में श्रद्धा और आस्था से ओत-प्रोत साधु-संतो, श्रद्धालुओं, कल्पवासियों, स्नानार्थियों और गृहस्थों के स्नान का यह नया रिकॉर्ड है। महाकुम्भ में प्रतिदिन लाखों की संख्या श्रद्धालु पुण्य स्नान का फल प्राप्त कर रहे हैं। सरकार पहले ही 45 दिन तक चलने वाले महापर्व के दौरान 45 करोड़ श्रद्धालुओं के यहां आने का अनुमान व्यक्त कर चुकी है जिसमें अकेले मौनी अमावस्या स्नान पर्व पर ही दस करोड़ श्रद्धालुओं के प्रयागराज आगमन के आसार हैं।

गंगा की रेती पर हजारों कदम चलने के बाद त्रिवेणी के पावन जल में डुबकी लगाने वालों के जोश और उत्साह में कोई कमी नहीं दिख रही है। गुरुवार दोपहर 12 बजे तक 30 लाख लोगों ने त्रिवेणी संगम में स्नान कर लिया। इसमें 10 लाख कल्पवासियों के साथ-साथ देश विदेश से आए श्रद्धालु एवं साधु-संत शामिल रहे। इसके साथ ही महाकुम्भ में 10 करोड़ स्नानार्थियों की संख्या भी पार कर गई। पूरे महाकुम्भ मेला क्षेत्र में भक्तों का तांता लगा रहा। देश के विभिन्न प्रान्तो और विश्व के अनेक देशों से आए श्रद्धालुओं ने पवित्र संगम में स्नान किया।

संगम के तटों पर इस समय पूरे देश की विविध संस्कृतियों की झलक देखने को मिल रही है। ऊंच नीच, जात पात, पंथ से ऊपर उठकर लोग संगम स्नान कर एकता के महाकुम्भ के संकल्प को साकार कर रहे हैं। अब तक के कुल स्नानार्थियों की संख्या का विश्लेषण करें तो 23 जनवरी तक 10 करोड़ से ज्यादा लोग संगम में आस्था की डुबकी लगा चुके हैं। सर्वाधिक 3.5 करोड़ श्रद्धालुओं ने मकर संक्रांति के अवसर पर अमृत स्नान किया था, जबकि पौष पूर्णिमा के स्नान पर्व पर 1.7 करोड़ से ज्यादा लोगों ने पावन डुबकी लगाई थी। इसके अलावा प्रतिदिन लाखों की संख्या में श्रद्धालु पुण्य स्नान कर रहे हैं।

योगी आदित्यनाथ ने महाकुंभ में कैबिनेट बैठक कर दिखायी गठबंधन की एकजुटता

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

महाकुंभ नगर। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को प्रयागराज महाकुंभ में मंत्रिमंडल की बैठक करके और राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के सहयोगी दलों के मंत्रियों के साथ गंगा में डुबकी लगाकर विपक्ष के इस आरोप को चतुराई से खारिज करने की कोशिश की कि भाजपा के सहयोगी दल उससे अलग हो रहे हैं। मुख्यमंत्री ने महाकुंभ में कैबिनेट की बैठक करने के बाद उप मुख्यमंत्रियों केशव प्रसाद मौर्य और ब्रजेश पाठक तथा अन्य मंत्रियों के साथ बैठक में लिये गये फैसलों पर संवाददाताओं को संबोधित किया। बाद में आदित्यनाथ ने अपने मंत्रियों के साथ फोटो खिंचाई और अचानक उन्होंने राजग के सहयोगी दलों के नेताओं और कैबिनेट मंत्रियों अपना दल (सोनेलाल) के नेता आशीष पटेल और निषाद पार्टी के प्रमुख संजय निषाद को बुलाया। उन्होंने सबसे पहले उत्तर प्रदेश के तकनीकी शिक्षा मंत्री आशीष पटेल को बुलाते हुए कहा, ''अरे, कहां पीछे छुपे हैं आशीष पटेल जी?''

आदित्यनाथ की यह बात खासतौर पर इसलिये महत्वपूर्ण है क्योंकि पटेल ने हाल ही में कई बार वरिष्ठ सरकारी अधिकारियों पर अपने खिलाफ साजिश रचने का आरोप लगाया था। राजग के एक अन्य सहयोगी दल निषाद पार्टी के नेता और प्रदेश के काबीना मंत्री

संजय निषाद पिछले साल 20 नवंबर को हुए उपचुनाव में कटेहरी विधानसभा सीट पर अपना उम्मीदवार उतारना चाहते थे लेकिन भाजपा द्वारा इस सीट पर अपना प्रत्याशी उतारे जाने से वह कथित रूप से नाराज थे। सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी के एक अन्य वरिष्ठ सहयोगी और प्रदेश के अल्पसंख्यक एवं पंचायती राज मंत्री ओम प्रकाश राजभर को भी अहमियत दी गई। मुख्यमंत्री पिछड़े वर्गों के एक अन्य मंत्री अनिल राजभर का भी जिक्र करना नहीं भूले जो पूर्व में ओम प्रकाश राजभर की आलोचना करते रहे हैं। आदित्यनाथ ने अपनी पार्टी के नेता और वाराणसी से विधायक अनिल राजभर को पुकारते हुए कहा, ''अनिल कहां हैं, अनिल।''

भाजपा की तीनों सहयोगी पार्टियां-- अपना दल (सोनेलाल), निषाद पार्टी और सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी-- प्रदेश में राजनीतिक लिहाज से महत्वपूर्ण अन्य पिछड़े वर्गों का प्रतिनिधित्व करती हैं। मुख्यमंत्री का इन पार्टियों के मंत्रियों को तवज्जो देना और भी ज्यादा अहम है क्योंकि भाजपा पांच फरवरी को अयोध्या में महत्वपूर्ण मिल्कीपुर उपचुनाव के लिए तैयार है। राजनीतिक विशेषज्ञों का मानना है कि भाजपा के अन्य पिछड़े वर्गों के सहयोगी राज्य की मुख्य विपक्षी समाजवादी पार्टी के पीडीए (पिछड़ा, दलित और अल्पसंख्यक) की एकजुटता के जरिये खुद को मजबूत करने के प्रयासों का मुकाबला करने के लिए महत्वपूर्ण हैं। प्रदेश के एक वरिष्ठ मंत्री ने 'पीटीआईभाषा' से कहा, ''मुख्यमंत्री ने बस यह दिखाया कि भाजपा गठबंधन धर्म निभाने में विश्वास करती है। गठबंधन के सहयोगियों को खो देने वाली समाजवादी पार्टी या कांग्रेस के विपरीत भाजपा चाहे उत्तर प्रदेश में हो या केंद्र में, अपने सहयोगियों को जोड़ रही है क्योंकि हम समावेशी राजनीति में विश्वास करते हैं।'' समाजवादी पार्टी (सपा) ने महाकुंभ में कैबिनेट बैठक आयोजित करने पर भाजपा की आलोचना की जिसे भाजपा ने 'निराधार' बताकर खारिज कर दिया। समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने इस मुद्दे पर राज्य सरकार के फैसले की आलोचना की।

महाकुंभ में दिव्यांगों को मुफ्त मिल रहे कृत्रिम अंग, उपचार की भी सुविधा

महाकुंभनगर। महाकुंभ के लिए जहां भारी संख्या में श्रद्धालु प्रयागराज में उमड़ रहे हैं वहीं कई दिव्यांग लोग मुफ्त इलाज और कृत्रिम अंगों के प्रत्यारोपण के लिए भी यहां पहुंच रहे हैं। विभिन्न धार्मिक समूहों के शिविरों के बीच दिव्यांगों को राहत पहुंचाने के मकसद से काम करने वाली जयपुर की धर्मार्थ संस्था नरवन सेवा संस्थान ने भी यहां एक शिविर लगाया है। शिविर में चिकित्सक यहां आने वाले 'दिव्यांगों' की देखभाल में व्यस्त हैं और एक टीम उन दिव्यांगों के लिए कृत्रिम अंगों का माप ले रही है। इस संस्थान को पोलियो प्रभावित मरीजों के उपचार और उनके पुनर्वास संबंधी परोपकारी सेवाओं के लिए भी जाना जाता है। उत्तर प्रदेश के बलिया निवासी जयशंकर कुमार के दोनों पैर दो साल पहले गंभीर संक्रमण के कारण काटने पड़े थे और अब वह नई उम्मीद के साथ महाकुंभ पहुंचे हैं। उन्होंने 'पीटीआई-भाषा' से कहा, ''अपने दोनों पैर खोने के बाद मैं बैसाखी के सहारे चलता हूं। चिकित्सकों ने सुझाव दिया कि मैं कृत्रिम अंग लगा सकता हूं, लेकिन वो महंगे हैं और मैं उनका खर्च नहीं उठा सकता।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
www.dakshinbharat.com
epaper.dakshinbharat.com

बेंगलूरु | शुक्रवार | 24-01-2025 /dakshinbharat /dakshinbharat DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT HINDI DAILY

RNI No. 58061/93. Regn No.:
RNP/KA/BGS/2050/2018-2020
Posted at Bengaluru PSO
Mysore Road Bengaluru-560 026.

तेरापंथ महिला मंडल गांधीनगर के तत्वावधान में समृद्ध राष्ट्रीय योजना के अंतर्गत संरक्षण बढ़ते कदम विकास की ओर के तहत बेल्लीमठ रोड स्थित कन्नड़ा लोअर प्रायमरी स्कूल एवं तमिल हायर प्राइमरी सरकारी स्कूल को गोद लेकर इन स्कूलों में 3 शौचालय,एक यूटिलिटी, स्कूल में फ्लोरिंग, सुरक्षा हेतु ग्रिल, पानी की टांक एवं मोटर, वॉटर प्यूरीफायर, पूरे स्कूल की दीवारों की पेंटिंग आदि का काम करवाया।

दुनिया का कोई भी आयोजन सौहार्द और एकता का महाकुंभ जैसा शक्तिशाली संदेश नहीं देता : शाह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अहमदाबाद। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने बृहस्पतिवार को कहा कि दुनिया में कोई भी अन्य आयोजन सद्भाव एवं एकता के मामले में महाकुंभ जितना शक्तिशाली संदेश नहीं देता, जहां कोई भी व्यक्ति अपनी पहचान की परवाह किए बिना गंगा में स्नान कर सकता है। शाह ने यहां गुजरात विश्वविद्यालय परिसर में हिंदू आध्यात्मिक एवं सेवा मेले का उद्घाटन करने के बाद कहा कि प्रयागराज में महाकुंभ का जिस पैमाने पर आयोजन किया गया है, उसे देखकर दुनिया भर के लोग आश्चर्यचकित हैं। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता ने कहा कि विभिन्न देशों के राजदूतों ने उनसे निमंत्रण पत्र के लिए अनुरोध किया था। शाह ने कहा, मैंने उनसे कहा कि इस विशाल समारोह के लिए कोई औपचारिक निमंत्रण नहीं है, क्योंकि करोड़ों लोग ग्रहों की स्थिति के अनुसार एक विशिष्ट समय पर यहां एकत्रित होते हैं। उन्होंने कहा कि उन्हें इस बात पर विश्वास नहीं हुआ होगा कि बिना किसी निमंत्रण के 40 करोड़ लोग एक स्थान पर एकत्रित हो गए। मंत्री ने कहा कि जब उनसे पूछा गया कि यह आयोजन कौन करता है, तो उन्होंने कहा, मैंने उनसे कहा कि सरकार जो करती है, वह धार्मिक नेताओं, संतों और उनके संगठनों द्वारा वहां जाने वाले लोगों के लिए किए जाने वाले कार्यों की तुलना में बहुत छोटा है।

शाह ने कहा, कुंभ सद्भाव और एकता का संदेश देता है क्योंकि इसमें यह नहीं पूछा जाता आप किस धर्म, संप्रदाय या जाति से हैं। आपको बिना किसी भेदभाव के भोजन मिलता है और स्नान के बाद आप घर वापस जा सकते हैं। दुनिया में कोई भी अन्य आयोजन महाकुंभ की तुलना में सद्भाव और एकता का इतना शक्तिशाली संदेश नहीं देता।

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि इतनी बड़ी संख्या में तीर्थयात्रियों के एकत्र होने के बावजूद कोई भी होटल में नहीं रहता, क्योंकि सभी को गंगा के किनारे लगे तंबुओं में रहने की सुविधा मिलती है। उन्होंने कहा कि ऐसी व्यवस्थाएं सदियों से होती रही हैं, यहां तक ङ्कङ्ककि मुगल और ब्रिटिश शासन के दौरान भी और जब कांग्रेस सत्ता में थी, तब भी। उन्होंने गुजरात के लोगों, विशेषकर युवा पीढ़ी से महाकुंभ में आने का आग्रह किया। शाह ने कहा कि वह स्वयं 27 जनवरी को गंगा में स्नान करने के लिए महाकुंभ जाएंगे।

स्कूलों में किए निर्माण कार्यों का उद्घाटन किया मंत्री जमीर अहमद ने

तेरापंथ महिला मंडल गांधीनगर ने करवाए निर्माण कार्य

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। तेरापंथ महिला मंडल गांधीनगर के तत्वावधान में समृद्ध राष्ट्रीय योजना के अंतर्गत संरक्षण बढ़ते कदम विकास की ओर के तहत बेल्लीमठ रोड स्थित कन्नड़ा लोअर प्रायमरी स्कूल एवं तमिल हायर प्राइमरी सरकारी स्कूल को गोद लेकर इन स्कूलों में 3 शौचालय,एक यूटिलिटी, स्कूल में फ्लोरिंग, सुरक्षा हेतु ग्रिल, पानी की टांक एवं मोटर, वॉटर प्यूरीफायर, पूरे स्कूल की दीवारों की पेंटिंग आदि का काम करवाया। इस मौके पर अध्यक्ष रिजु डूंगरवाल ने आए हुए सभी का स्वागत किया। इन निर्माण कार्य का उदघाटन अल्पसंख्यक मंत्री जमीर अहमद ने मुख्य अतिथि के रुप में किया। इस मौके पर जमीर अहमद ने मंडल के किए गए कार्यों की सरहाना की और कहां भविष्य में जब भी कोई ऐसी सामाजिक कार्य होंगे तो वह हमेशा उसके लिए तैयार हैं। मंत्री ज्योति संचेती ने कन्या सुरक्षा सर्कल बनाने के लिए स्थान की मांग की तो मंत्री ने उचित स्थान प्रदान करने का आश्वासन दिया। इसी कड़ी में कन्या विकास योजना के तहत 6 बेंचेज़ का भी उद्घाटन किया गया। इस मौके पर मंत्री को निशुल्क कैंसर जागरूकता अभियान की जानकारी व साहित्य दिया। इस कार्यक्रम में दक्षिण वार्ड की शिक्षा अधिकारी गिरजा का सहयोग रहा। मंडल ने मंत्री जमीर अहमद का सम्मान किया।

कार्यक्रम में उपस्थित अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल की पूर्व महामंत्री व राष्ट्रीय संयोजिका वीणा बैद ने कहा कि पूरे भारतवर्ष में 50 स्कूलों को संरक्षण में लिया गया है। उन्होंने मंडल से भविष्य में भी स्कूल के विकास पर सक्रिय सहयोग की बात कही। कर्नाटक सह प्रभारी मधु कटारिया ने कहा कि पुनर्निर्माण से पहले स्कूल की तस्वीर कुछ और थी वह बहुत जर्जर हालत में थी लेकिन आज स्कूल अच्छे रूप में दिखाई दे रहा है ।

तेरापंथ महिला मंडल गांधीनगर की संरक्षिका सायरबाई मालू, स्कूल की प्रिंसिपल सरसा, उषा रानी एवं तेरापंथ सभा ट्रस्ट के उपाध्यक्ष पवन चोपड़ा आदि ने अपने विचार वक्त किए। मंडल ने मुख्य प्रायोजक शशिकला, सुमन वनीता नाहर, महावीर पदमाबाई धोखा एवं सहयोगी प्रायोजक परिवार का सम्मान किया गया। सहमंत्री वीणा पोरवाल, प्रमिला धोका, प्रचार प्रसार मंत्री संगीता आंचलिया, संगठन मंत्री पवन संचेती, पूर्व अध्यक्ष शांति सकलेचा सहित विजयनगर की अध्यक्ष मंजू गादिया, हनुमंतनगर की अध्यक्ष सरोज दुगड़, राजाजीनगर की मंत्री लता नौलखा, यशवंतपुर की मंत्री लाडली मूथा, युवक परिषद के अध्यक्ष विमल धारीवाल आदि की उपस्थिति रही। कार्यक्रम का संचालन संयोजिका लता गादिया ने किया। संयोजिका लक्ष्मी बोहरा ने धन्यवाद दिया।

मनोरंजन के अलावा खेल शारीरिक, मानसिक, बौद्धिक और सामाजिक विकास के लिए अति महत्वपूर्ण हैं : गहलोत

सकारात्मक दृष्टिकोण और राष्ट्रीय एकता के निर्माण में खेल की अहम भूमिका

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

उडुपी। शहर में कर्नाटक ओलंपिक एसोसिएशन द्वारा आयोजित **राज्य खेल 2025** के समापन समारोह में एक प्रभावशाली संबोधन में कर्नाटक के राज्यपाल थावरचंद गहलोत ने व्यक्तियों के बीच सकारात्मक दृष्टिकोण को आकार देने और एकता को बढ़ावा देने में खेलों की महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डाला। राज्यपाल गहलोत ने कहा, खेलों में भाग लेने से अनुशासन, एकता और समानता के मूल्यों को स्थापित करते हुए टीम वर्क और सहयोग बढ़ता है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि खेल न केवल शारीरिक कल्याण में योगदान देते हैं बल्कि मानसिक स्वास्थ्य में भी सुधार करते हैं, तनाव कम करते हैं और एकाग्रता और निर्णय लेने जैसे संज्ञानात्मक कार्यों को बढ़ाते हैं।

राज्यपाल ने कहा, खेल हमारे जीवन का अभिन्न अंग बनना चाहिए। मनोरंजन प्रदान करने के अलावा, खेल शारीरिक, मानसिक, बौद्धिक और सामाजिक विकास के लिए भी महत्वपूर्ण हैं। वे हमें जीवन के दर्शन के रूप में सेवा करते हुए अनुशासन, लचीलापन और सकारात्मक दृष्टिकोण अपनाने के लिए प्रेरित करते हैं। राज्यपाल ने खेलों को बढ़ावा देने के राष्ट्रीय प्रयासों, विशेष रूप से भारतीय खेल प्राधिकरण (एसएआई) के नेतृत्व वाली पहल की भी सराहना की। उन्होंने युवा प्रतिभाओं की पहचान करने और देश भर में खेलों में रुचि बढ़ाने में सफलता के लिए खेलो इंडिया अभियान की सराहना की। उन्होंने कहा, भारतीय एथलीटों ने एशियाई, ओलंपिक और पैरालंपिक खेलों में अपने उत्कृष्ट प्रदर्शन से देश को गौरवान्वित किया है। समावेशिता के महत्व को स्वीकार करते हुए, राज्यपाल ने विकलांग एथलीटों के समर्थन के लिए सरकार की पहल के बारे में भी बात की। उन्होंने टिप्पणी की, दिव्यांग एथलीटों के लिए ग्वालियर जैसे खेल केंद्र इन खिलाड़ियों को प्रशिक्षित करने और उत्कृष्टता हासिल करने में मदद कर रहे हैं।

खेल जगत में कर्नाटक के योगदान पर प्रकाश डालते हुए, राज्यपाल ने बताया कि राज्य ने कई एथलीट पैदा किए हैं जिन्होंने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर ख्याति हासिल की है। उन्होंने दर्शकों से अपनी गतिविधियों को आगे बढ़ाने के लिए इन खेल नायकों से प्रेरणा लेने का आग्रह किया।

राज्यपाल ने खेल के बुनियादी ढांचे को बढ़ाने के लिए कर्नाटक सरकार के प्रयासों को भी रेखांकित किया, जिसमें बेंगलूरु के कंटीरवा स्टेडियम का नवीनीकरण भी शामिल है, जिसमें अब विश्व स्तरीय सुविधाएं और एक अत्याधुनिक खेल विज्ञान केंद्र है। उन्होंने आश्वासन दिया, ये आधुनिक सुविधाएं अगली पीढ़ी की खेल प्रतिभाओं को विकसित करेंगी। इस कार्यक्रम में गृह मंत्री जी. परमेश्वर और विधान परिषद सदस्य के. गोविंदराज सहित कई गणमान्य व्यक्तियों ने भाग लिया।

'एक राष्ट्र-एक नाम भारत' अभियान को मिला श्रीश्री रविशंकर का साथ

शीघ्र ही अभियान के समर्थन में होगा विशाल कार्यक्रम

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। भारत को केवल **भारत ही बोलें, इंडिया नहीं एक राष्ट्र एक नाम केवल भारत'** आज विश्वव्यापी अभियान बन गया है। इस अभियान के प्रचार प्रसार के लिए 'मैं भारत हूँ फाउंडेशन' अंतर्राष्ट्रीय संस्थान के कर्नाटक के प्रमुख महेंद्र मुणोत, सामाजिक कार्यकर्ता सज्जनराज मेहता, बीदासर परिषद के पूर्व अध्यक्ष अरविंद सिंघी, बीपी हरिहरण, उपेंद्रकुमार गौड़ा ने आर्ट ऑफ लिविंग आश्रम में संत श्रीश्री रविशंकर जी के दर्शन कर इस अभियान में सहयोग देने की अपील की। इस मौके पर प्रतिनिधि मंडल ने गुरुदेव से निवेदन किया कि हमारे भारत को हिंदी में भारत व अंग्रेजी में इंडिया कहा जाता है। हम भारतीय चाहते हैं कि विश्व की हर भाषा में हमारे देश का नाम केवल 'भारत' बोला जाएं। रहे जिसके लिए हम लोगों ने भारत नाम से 'सम्मान' गीत को विभिन्न 22 भारतीय भाषाओं में संगीतबद्ध किया है। हम चाहते हैं कि आपका (गुरुदेव) आशीर्वाद व समर्थन 'एक राष्ट्र-एक नाम केवल भारत' को मिले। रविशंकरजी ने प्रतिनिधि मंडल की बात सुनी और उनकी देशभक्ति की भावना की सराहना की।

रविशंकरजी ने सभी को दुप्पटे पहनाकर सम्मानित किया। प्रतिनिधि मंडल के महेन्द्र मुणोत ने बताया कि शीघ्र ही श्रीश्री के सान्निध्य में इस अभियान को बल देने के लिए एक विशाल कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। मुणोत ने बताया कि उन्होंने अपनी ओर से इस अभियान को समर्थन देते हुए स्वअभिनीत वीडियो गीत का निर्माण भी किया गया है जिसे पूरे देश में सराहा जा रहा है।

गणतंत्र दिवस: कर्तव्य पथ पर कर्नाटक की झांकी में दिखेंगे लक्कुंडी के कलात्मक मंदिर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/दक्षिण भारत। कर्नाटक में पत्थर शिल्प के लिए मशहूर स्थल 'लक्कुंडी' इस साल दिल्ली में गणतंत्र दिवस समारोह में कर्तव्य पथ पर झांकी में नजर आएगा। जानेमाने कला निर्देशक शशिधर अडापा के मार्गदर्शन में कलाकारों की टीम ने राष्ट्रीय रंगशाला शिविर में झांकी को अंतिम रूप दे दिया है। इस संबंध में जानकारी देते हुए सूचना एवं जनसंपर्क विभाग के आयुक्त हेमंत एम निंबालकर ने कहा कि कर्नाटक की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को प्रदर्शित करने के लिए 18 कलाकारों ने योगदान दिया है।

कर्नाटक की झांकी में लक्कुंडी के कलात्मक मंदिरों को देखने के लिए लोग उत्सुक हैं। गौरतलब है कि गदग जिले में स्थित लक्कुंडी मंदिरों का निर्माण 11वीं शताब्दी में कल्याणी चालुक्य काल में हुआ था। इस झांकी के चार भाग होंगे। अग्र भाग में चतुर्मुख ब्रह्मा विराजमान होंगे। यह प्राचीन जैन मंदिर ब्रह्मा जिनालय का हिस्सा है। झांकी का मध्य भाग ब्रह्मा जिनालय मंदिर का खुला प्रांगण होगा। यह भगवान महावीर को समर्पित स्थान होगा।

खुले प्रांगण में 30 से ज्यादा भव्य स्तंभ होंगे। इसके बाद काशी विश्वेश्वर मंदिर को प्रदर्शित किया गया है। यह भगवान शिव और भगवान सूर्य को समर्पित है। झांकी का अंतिम भाग नंदीश्वर मंदिर को प्रदर्शित करेगा।

इसमें उत्तर और दक्षिण भारत की स्थापत्य शैली देखने को मिलेगी। बता दें कि साल 2000 से अब तक 22 बार कर्नाटक की झांकियों को गणतंत्र दिवस समारोह के लिए चुना गया है। वहीं, छह बार सर्वश्रेष्ठ झांकी का पुरस्कार मिला है।

तातेड़ बने अलसूर जैन युवक संघ के अध्यक्ष, सुराणा बने मंत्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। अलसूर के जैन युवक संघ के द्विवार्षिक 2025-26 के चुनाव में लोकेश तातेड को अध्यक्ष, संजय सुराणा को मंत्री एवं महावीर सुराणा को कोषाध्यक्ष चुना गया। बुधवार रात जैन भवन में आयोजित चुनाव सभा में श्रावक संघ के मंत्री अभयकुमार बांठिया एवं अजीत लोढ़ा तथा दीपक सेठिया के निर्देशन में संचालित चुनाव प्रक्रिया में दीपक बोहरा एवं संदीप गादिया को उपाध्यक्ष तथा संजय बांठिया और अभिषेक बांठिया को सह मंत्री के लिए चुना गया।

नवनिर्वाचित सदस्यों को श्रावक संघ की ओर से बधाई देते हुए मंत्री अभयकुमार बांठिया ने कहा कि धार्मिक और सामाजिक सेवा के लिए युवकों को हमेशा तत्पर रहना चाहिए। संघ सेवा पुण्य का अवसर होता है और अवसर का सदुपयोग कर हम कई कीर्तिमान बना सकते हैं। अध्यक्ष धनपतराज बोहरा ने नई टीम को शुभकामनाएं दी।

नेताजी को ब्रिटिश अधिकारी द्वारा दी गई चाय का कप और प्लेट आज भी सुरक्षित रखे हैं नोआपाड़ा थाने में

जगद्दल (पश्चिम बंगाल)/भाषा। पश्चिम बंगाल के उत्तर 24 परगना जिले में श्यामनगर रेलवे स्टेशन से महज डेढ़ किलोमीटर दूरी पर नोआपाड़ा थाना है जिसकी नेताजी सुभाष चंद्र बोस से ऐतिहासिक कड़ियां जुड़ी हैं।

इस थाने में पुलिसकर्मी हर साल 23 जनवरी को न केवल नेताजी की जयंती मनाते हैं, बल्कि स्टेशन पर उनके संक्षिप्त प्रवास को भी याद किया जाता है, जब उन्हें 1931 में अंग्रेजों ने हिरासत में लिया था।

लगभग 93 साल पहले, 11 अक्टूबर 1931 को शाम पांच बजे के आसपास, नेताजी को ब्रिटिश पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया था, जब वहजगद्दल के गोलघर में बंगाल जूट मिल मजदूर संगठन की बैठक को संबोधित करने जा रहे थे ।

श्यामसुंदर हेगड़े बने जनपरिषद उत्तर कर्नाटक के अध्यक्ष

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के सामाजिक कार्यकर्ता श्यामसुंदर हेगड़े 'जनपरिषद संस्था' के उत्तर कर्नाटक के अध्यक्ष नियुक्त किए गए है। अखिल भारतीय स्तर की सामाजिक संस्था जन परिषद के अध्यक्ष एवं पूर्व डीजीपी एनके त्रिपाठी ने जन परिषद की महिला शाखा की राष्ट्रीय अध्यक्ष पद्मश्री सुनील डबास व दक्षिणी शाखा की अध्यक्ष डॉ. संगीता होल्ला की अनुशंसा पर श्यामसुंदर हेगड़े को अध्यक्ष मनोनीत किया है। संस्था के संयोजक रामजी श्रीवास्तव के अनुसार जनपरिषद एक राष्ट्रीय स्तर की सामाजिक संस्था है, जो पिछले 36 वर्षों से सामाजिक एवं रचनात्मक कार्यों में सक्रिय है तथा कई पुस्तकें भी प्रकाशित कर चुकी है। पर्यावरण पर दस अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित कर चुकी है। संस्था का अगला सम्मेलन वियतनाम में आयोजित है। किया गया है। वर्तमान में संगठन के पूरे देश में 279 चैप्टर और विदेश में 7 चैप्टर हैं।

'प्रभु की वाणी पर श्रद्धा होनी चाहिए'

बेंगलूरु/दक्षिण भारत । शहर के श्वेतांबर स्थानकवासी जैन श्रावक संघ, अलसूर के तत्वावधान में महावीर भवन में आयोजित प्रवचन में विनयमुनिजी खींचन ने कहा कि प्रभु की वाणी पर श्रद्धा होनी चाहिए किंतु श्रद्धा से भी ज्यादा आचरण का महत्व होता है। मात्र महावीर को मानने से जीव का उद्धार नहीं हो सकता है। महावीर की मानने से ही जीव महावीर सम बन सकता है। विनयमुनिजी ने कहा कि संसार के मोह फंसा हुआ जीव संसार से मुक्त नहीं हो सकता है। संसार में रहे तो हम व्यवहार कुशल बने। हम अपने उपकारी को आदर देवें। आदर से स्नेह बढ़ता है। संवाद बढ़ता है और शंका समाधान होता है।

डिजिटल रूप में भी पढ़ें
दक्षिण भारत हिन्दी दैनिक
www.dakshinbharat.com

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**,
(*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.
HEAD OFFICE : DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT, New Media Company, 6/4, Cantonment Station Road, Bangalore 560051. Editorial : 080-25363030 / 9945488003. For Advertisement : 9945488002 - email : news@dakshinbharat.com